@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 11 सितंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 308 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार के 14 जिलों में बाढ

5 हजार स्कूल बंदः यूपी के बाराबंकी में घर बहे, बरेली में मंदिर डूबा

एमपी-राजस्थान में बारिश थमी

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में पटना, मुंगेर और भागलपुर समेत 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं। राज्य में गंगा, कोसी और गंडक जैसी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के 500 से ज्यादा श्मशान घाट डूबे हैं, जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया। बाराबंकी में सरयू के पानी में करीब 12 मकान डूब गए। इधर, एमपी और राजस्थान में फिलहाल बारिश का दौर थमा हुआ है। एमपी में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है। यहां 10 शहरों में तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा।

उत्तराखंडः नैनीताल-अल्मोड़ा और केदारघाटी में धुंध, देहरादून में बौछारें

उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं हरिद्वार, पौड़ी और उत्तरकाशी में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछारें पड़ सकती हैं। राज्य के बाकी हिस्सों में भी कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली और तेज बारिश हो सकती है।

हिंदुकुश क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर दो बार भूकंप के झटके

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकंप की जानकारी दी है। एनसीएस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसके बारे में बताया। दोनों ही भूकंप हिंदू कुश क्षेत्र में आए हैं, जो भूकंपीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, ताजिकिस्तान में गुरुवार शाम 10 सितंबर, 2026 को 5 बजकर 51 मिनट (आईएसटी) पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र 37.907 अक्षांश और 72.742 देशांतर पर था और इसकी गहराई 132 किलोमीटर दर्ज की गई। इसका स्थान अफगानिस्तान के फैजाबाद शहर से लगभग 213 किलोमीटर पूर्व-उत्तर पूर्व (ईएनई) में बताया जा रहा है। भूकंप की गहराई ज्यादा होने की वजह से इसके झटके कई इलाकों में महसूस किए गए, लेकिन अभी तक किसी तरह के

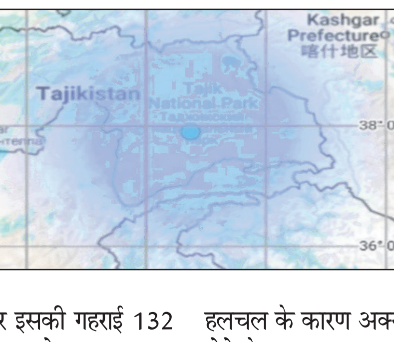

जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इससे पहले, अफगानिस्तान में भी भूकंप की पुष्टि हुई थी। अफगानिस्तान में बुधवार की रात 9 सितंबर, 2026 को 11 बजकर 32 मिनट (आईएसटी) पर 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र 36.393 अक्षांश और 71.708 देशांतर पर, 150 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इसका स्थान भी अफगानिस्तान के फैजाबाद से 129 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व (एसई) में था। लगातार दो दिनों में दो भूकंप आने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। हिंदू कुश क्षेत्र में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल के कारण अक्सर इस तरह के मध्यम और गहरे भूकंप आते रहते हैं। गहराई ज्यादा होने के कारण सतह पर अक्सर नुकसान कम होता है, लेकिन झटके दूर-दूर तक महसूस किए जाते हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र लगातार इस क्षेत्र पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

पेरिस स्पेस सम्मेलन में पीएम मोदी का वैश्विक देशों को निमंत्रण

भारत के अगले अंतरिक्ष अभियान में साझेदारी का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए फ्रांस समेत दुनियाभर के देशों को भारत के आगामी अंतरिक्ष अभियानों में साझेदार बनने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल राष्ट्रीय उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लाभों को पूरी मानवता तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम्', अर्थात एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की भावना पर आधारित है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित सुरक्षित, संरक्षित, शांतिपूर्ण और टिकाऊ अंतरिक्ष व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य का अंतरिक्ष क्षेत्र टकराव के बजाय सहयोग, अल्पकालिक लाभ के बजाय स्थिरता और बहिष्कार के बजाय समावेशिता के सिद्धांतों पर आगे बढ़ना चाहिए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसरो ने कम लागत में प्रभावी और विश्वसनीय अंतरिक्ष मिशन संचालित करके वैश्विक पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि इसरो की तकनीकें किसानों, मछुआरों, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और नेविगेशन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तक 34 देशों के 430 से अधिक उपग्रह भारतीय प्रक्षेपण यानों के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजे जा चुके हैं।

विधायकों को पेंशन और दूसरी सुविधाएं क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जारी किया नोटिस, चार हफ्ते में मांगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व और मौजूदा विधायकों को मिलने वाली पेंशन और दूसरी सुविधाओं पर सवाल उठाने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। NGO लोक प्रहरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर उत्तर प्रदेश के विधायकों (MLA) और विधान परिषद सदस्यों (MLC) को मिलने वाली पेंशन, भत्तों और दूसरी सुविधाओं को चुनौती दी है। जस्टिस जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। सरकार को इस नोटिस का जवाब चार हफ्ते के भीतर देना होगा। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, हलह लोक प्रहरी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य विधानमंडल (सदस्यों के वेतन और पेंशन) अधिनियम, 1980 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली उसकी जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य विधानसभा को अपने मौजूदा और पूर्व सदस्यों के लिए पेंशन और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं देने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने 1980 अधिनियम की धारा 4, 5, 9, 13(3), 13(4), 15(2), 17-ए और अध्याय VIII को बरकरार रखा। ये प्रावधान मौजूदा सदस्यों को विभिन्न भत्ते और सुविधाएं तथा पूर्व सदस्यों, उनके परिवारों और साथियों को पेंशन और पारिवारिक पेंशन के अलावा लाभ प्रदान करते हैं। लोक प्रहरी का कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 195 में राज्य के विधायकों के वेतन और भत्तों का प्रावधान है, लेकिन इसमें पेंशन का जिक्र नहीं है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि जब कोई व्यक्ति विधायक या MLC नहीं रहता, तो उसे सरकारी खजाने से लगातार आर्थिक लाभ क्यों दिया जाए?

स्वाधीनता संग्राम सेनानी, महान अधिवक्ता और उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पंत जी का अविस्मरणीय योगदानः मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 10 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री तथा भारत के पूर्व गृह मंत्री भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयन्ती पर आज यहाँ लोक भवन स्थित उनकी प्रतिमा के सम्मुख चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी का जीवन राष्ट्रसेवा, जनसेवा, सुशासन और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उनके योगदान को देश और प्रदेश सदैव स्मरण करता रहेगा। मुख्यमंत्री जी ने पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की पावन स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि पंत जी एक महान अधिवक्ता और प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए चलाए गए आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। उनका पूरा जीवन राष्ट्रहित और समाजहित के लिए समर्पित रहा। काकोरी ट्रेन एक्शन के बाद ब्रिटिश हुकूमत द्वारा क्रान्तिकारियों के खिलाफ अभियोग दर्ज किया गया था। उस समय पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी ने इन क्रान्तिकारियों की पैरोकारी पूरी मजबूती के साथ की। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध

संघर्ष कर रहे देशभक्त क्रान्तिकारियों के पक्ष को निर्भीकता और दृढ़ता के साथ न्यायालय के समक्ष रखा। पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी ने स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रत्येक महत्वपूर्ण चरण में सक्रिय भूमिका निभायी। वर्ष 1937 में उन्हें उत्तर प्रदेश के प्रीमियर के रूप में चुना गया। लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देकर स्वयं को पुनः स्वाधीनता आन्दोलन में समर्पित कर दिया। भारत छोड़ो आन्दोलन सहित स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न बड़े आन्दोलनों में उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के पश्चात पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उस समय उत्तराखण्ड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था। ऐसे में देश के सबसे ब? राज्यों में से एक उत्तर प्रदेश की व्यवस्था को सुशासन के मॉडल के रूप में स्थापित करना एक बड़ी जिम्मेदारी थी। पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी ने इस जिम्मेदारी का पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन किया।

शेष पृष्ठ 3 पर

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामला

लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी समेत 9 आरोपियों पर आरोप तय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप तय कर दिए हैं। वहीं, अदालत ने इस मामले में सात आरोपियों को बरी भी कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, सरला गुप्ता, लारा प्रोजेक्ट्स एलएलपी, सुजाता

होटल्स और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा नहीं लगता कि लालू प्रसाद यादव के खिलाफ की गई जांच राजनीतिक रूप से प्रभावित थी। अदालत ने यह भी कहा कि लारा प्रोजेक्ट्स को जिस तरह कथित लाभ मिला, उससे लालू यादव की भूमिका पर संदेह पैदा होता है। राजनीतिक ख़बरें पढ़ें इससे पहले 13 अक्टूबर 2025 को इसी अदालत ने सीबीआई के मामले में लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भी आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी सहित कई आरोप तय किए गए थे। सीबीआई का आरोप है कि वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव ने आईआरसीटीसी के रांची और पुरी स्थित दो होटलों का संचालन सुजाता होटल्स को कथित तौर पर हेरफेर वाले टेंडर के जरिए लीज पर दिया।

एमपी में सागर शराब कांड के आरोपियों पर बड़ी कार्रवाई

अवैध मकानों और दुकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

एजेंसी

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब कांड के आरोपियों के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई तेज हो गई है। इस मामले के तीन आरोपियों के पांच अवैध निर्माण कार्यों पर बुलडोजर चलाया गया।

दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार को सागर के दौरे पर थे और उन्होंने प्रशासन को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बंडा में आरोपियों के पांच अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया, जिसमें मनीष लोधी के तीन, चंद्रभान राजपूत का एक एवं आशीष साहू का एक निर्माण कार्य का ध्वस्त किया गया। नगर परिषद बंडा और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए मकान, पक्की बिल्डिंग और गोदामों को जमींदोज किया। इस दौरान मौके पर एसडीएम, तहसीलदार, नगर परिषद सीएमओ सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन के अनुसार, बंडा अवैध शराब प्रकरण में संलिप्त मुख्य आरोपी मनीष लोधी, चंद्रभान

मध्य प्रदेश के सागर में शराब कांड के मुख्य आरोपियों पर पुलिस और प्रशासन का बड़ा एक्शन। अवैध निर्माणों और संपत्तियों को बुलडोजर से किया गया जमींदोज।

राजपूत और आशीष साहू द्वारा लंबे समय से शासकीय भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण किया गया था। इन्हीं अवैध संपत्तियों से अवैध शराब का कारोबार भी संचालित किया जा रहा था। प्रशासन द्वारा उक्त आरोपियों को बुलडोजर कार्यवाही के 24 घंटे पूर्व नोटिस चस्पा कर संबंधित अतिक्रमण को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन तय समय-सीमा में आरोपियों द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद गुरुवार को नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब, माफिया और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

• रांची के कई इलाकों में इंटरनेट काटे जाने पर हाईकोर्ट सख्त

सभी ऑपरेटर कंपनियों से मांगा जवाब

एजेंसी

रांची। रांची में बिजली के खंभों से इंटरनेट और केबल तारों का मकड़जाल हटाने के दौरान शहर में इंटरनेट सेवा बाधित होने पर झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। **अदालत ने स्वतः** संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी इंटरनेट सेवा प्रदाताओं से जवाब तलब किया है कि किस तारीख को, किन इलाकों में और कितने कनेक्शन काटे गए तथा अब तक कितने कनेक्शन बहाल किए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने बाधित सेवाओं को तुरंत बहाल करने और इसकी अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान जेबीवीएनएल (झारखंड विद्युत वितरण निगम लि.) के सीएमडी श्रीनिवासन समेत बीएसएनएल, जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के वरिष्ठ अधिकारी अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। खंडपीठ ने सभी ऑपरेटरों से इंटरनेट सेवा बाधित होने और बहाली की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने साफ किया कि तार हटाने की कार्रवाई के कारण आम लोगों की इंटरनेट सेवा अनिश्चितकाल तक बाधित नहीं रह सकती। अदालत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि आदेश के 'मिसअंडरस्टैंडिंग' के कारण आम जनता को बेवजह परेशानी झेलनी पड़ रही है।

सुनवाई के दौरान-

बीएसएनएल के चीफ जनरल मैनेजर (सीजीएम) विपुल अग्रवाल के रवैये पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई। हाईकोर्ट के एक अधिकारी का फोन जाने पर अनुचित तरीके से बात करने के मामले में अदालत ने सीजीएम को 14 सितंबर तक लिखित और बिना शर्त माफीनामा दाखिल करने का आदेश दिया।

इंडिगो की लखनऊ-सऊदी अरब फ्लाइट की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद। लखनऊ से सऊदी अरब के दम्माम जा रही इंडिगो की फ्लाइट में गुरुवार को बम की धमकी मिली। इसके बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी में 'बम' लिखा था। फ्लाइट को करीब शाम 5:55 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। प्लेन में 133 यात्री सवार थे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की बैठक को सशर्त मंजूरी दी

रैली की अनुमति नहीं मिली

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शुक्रवार को हुगली जिले के श्रीरामपुर में होने वाले एक राजनीतिक कार्यक्रम को सशर्त मंजूरी दे दी। राजनीति ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट ने शुक्रवार को श्रीरामपुर में एक राजनीतिक कार्यक्रम की योजना बनाई है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री मुख्य वक्ता होंगी। गुट पहले श्रीरामपुर में एक जनसभा और उसके बाद एक रैली आयोजित करना चाहता था। जब पुलिस ने कार्यक्रम के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया, तो तृणमूल कांग्रेस गुट ने इसके लिए अनुमति मांगने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया। यह

मामला गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल-न्यायाधीश पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया, और सुनवाई के अंत में, न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने श्रीरामपुर में रैली आयोजित करने के लिए सशर्त मंजूरी दे दी। हालांकि, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को वहां जनसभा करने की अनुमति देने के बावजूद, न्यायमूर्ति भट्टाचार्य की पीठ ने रैली के लिए अनुमति नहीं दी। अदालत ने पुलिस की इस दलील को स्वीकार कर लिया कि यदि महेश से श्रीरामपुर कोर्ट तक प्रस्तावित रैली की अनुमति दी जाती है, तो व्यस्त ग्रैंड ट्रंक रोड पर भारी ट्रैफिक जाम हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- पति पर रेप का केस कैसे चलाया जा सकता है?

वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर तीन हफ्ते बाद अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
वैवाहिक बलात्कार (मैरिटल रेप) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही संवैधानिक चुनौती पर बुधवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की अंतिम सुनवाई तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब कानून में वैवाहिक बलात्कार का अपवाद मौजूद है, तो पत्नी के साथ बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ अभियोजन किस आधार पर चलाया जा सकता है।
पीठ ने पूछा कि जब तक वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट फैसला नहीं कर देता, तब तक पत्नी से बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ मुकदमा कैसे चल सकता है? जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने भी इसी पहलू पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि आईपीसी की धारा 375 में स्पष्ट रूप से वैवाहिक बलात्कार का अपवाद था, तो उसकी संवैधानिक वैधता पर फैसला होने तक अभियोजन की अनुमति दी जा सकती है या नहीं।

पीड़ितों की सुरक्षा पर भी कोर्ट का जोर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन मौजूदा कानूनी प्रावधानों के रहते अभियोजन के अधिकार का सवाल भी महत्वपूर्ण है। यह मामला कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि वैवाहिक बलात्कार के मामले में पति को कानून के तहत पूर्ण छूट हासिल नहीं है। हाईकोर्ट ने पत्नी की इच्छा के खिलाफ यौन संबंध बनाने पर पति के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

बीएनएस में भी वैवाहिक बलात्कार का अपवाद

मामला मूल रूप से आईपीसी की धारा 375 के अपवाद-2 से जुड़ा है। अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 लागू है। बीएनएस में भी 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की पत्नी के साथ पति के यौन संबंध को लेकर समान अपवाद मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अंतिम सुनवाई में दो प्रमुख सवालों पर विचार होगा। पहला, यदि वैवाहिक बलात्कार का अपवाद बरकरार रहता है तो क्या पति के खिलाफ अभियोजन जारी रखा जा सकता है। दूसरा, क्या यह अपवाद संविधान की कसौटी पर कायम रह सकता है।

केंद्र ने अपराध बनाने का किया था विरोध

केंद्र सरकार ने 2024 में दाखिल हलफनामे में वैवाहिक बलात्कार को अपराध बनाने का विरोध किया था। केंद्र का कहना था कि विवाहित महिलाओं को यौन हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों में पर्याप्त वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं। सरकार के अनुसार विवाह संस्था के भीतर बलात्कार का अपराध लागू करना अत्यधिक कठोर और असंगत हो सकता है तथा यह मुख्य रूप से सामाजिक और विधायी नीति का विषय है।

महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और मोमबत्ती निकाली, डॉक्टर हैरान

नरसाराओपेट (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महिला को सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट के अंदर कई असामान्य वस्तुएं मौजूद होने का पता चला। सर्जरी के दौरान महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। जानकारी के मुताबिक पेटलुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली महिला को कुछ समय से सीने में दर्द की शिकायत थी। दर्द बढ़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद कई मेडिकल टेस्ट और स्कैन कराए। रिपोर्ट में पेट के अंदर ठोस वस्तुओं की मौजूदगी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला की सर्जरी करने का फैसला लिया। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की मदद से पेट में छोटा चीरा लगाकर अंदर मौजूद वस्तुओं को एक-एक कर बाहर निकाला। डॉक्टरों के मुताबिक पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। डॉक्टरों ने बताया कि एक पेन का ढक्कन नहीं था और उसका हिस्सा पेट की अंदरूनी सतह में चुभ रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से महिला को दर्द हो रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक एक साथ इतनी संख्या में ठोस वस्तुओं का पेट में पाया जाना बेहद असामान्य और दुर्लभ है।

बीजेपी कर सकती है 5 राज्यों में चुनाव से पहले नए प्रभारियों की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले नए मोर्चा प्रभारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक हरिश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया जा सकता है। वहीं सतीश पूनिया को भी पद मिल सकता है। पार्टी महिला मोर्चा, एसएसटी, ओबीसी और किसान मोर्चा के प्रभारियों की भी घोषणा कर सकती है। बीजेपी हरीश दिवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बना सकती है, वहीं महिला मोर्चा की डी. पुरंदेश्वरी को प्रभारी, एससी मोर्चा के संजय भाटिया, ओबीसी मोर्चा वैजयंत पांडा, किसान मोर्चा लाल सिंह आर्या, एसटी मोर्चा सतीश पूनिया, अल्पसंख्यक मोर्चा गजेंद्र पटेल को जिम्मेदारी सौप सकती है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादी गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो घाटी जिलों से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स और गढ़वाल राइफल्स को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के माना इंगखोल में 'नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर' के 28 साल के सक्रिय सदस्य को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में चिंगमेइरोंग से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के 44 साल एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक पकड़े गए दो अन्य लोगों में एक प्रतिबंधित कांगलेई याओल कन्ना लुप का सक्रिय सदस्य है, जिसे इंफाल पश्चिम के सागोलटोंगबा स्थित उसके घर से पकड़ा। वहीं, दूसरा व्यक्ति इंफाल पूर्व के अहल्लुप से पकड़ा गया, जो केसीपी का सदस्य है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सलमान की काला हिरण पर रोक की मांग : फिल्म रिलीज को तैयार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान की याचिका पर काला हिरण- द बैटल फॉर लिगेसी फिल्म को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई जारी है। सलमान ने अपनी पहचान और 1998 के काले हिरण मामले के इस्तेमाल का आरोप लगाकर फिल्म की रिलीज और प्रचार पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान, फिल्म निर्माताओं ने अदालत को बताया कि फिल्म अभी रिलीज के लिए तैयार नहीं है और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणित होना बाकी है। सलमान का आरोप है कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े तथ्यों और विवादों का अनधिकृत इस्तेमाल किया जा रहा है। फिल्म के पोस्टर और टीजर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो उनसे काफी मिलता-जुलता है, यहाँ तक कि उनके प्रसिद्ध ब्रेसलेट का इस्तेमाल हुआ है। सलमान का कहना है कि यह उनकी पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन है और इससे उनकी छवि को नुकसान होता है। वहीं, फिल्म के निर्माता और निर्देशक इन आरोपों को खारिज कर रहे हैं। उनका कहना है कि फिल्म काल्पनिक है, किरदार का नाम अयान खान है और कोई भी प्रोस्थेटिक मेकअप सलमान जैसा दिखने के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया। ब्रेसलेट को लेकर भी उनका तर्क है कि यह सिर्फ सलमान ही नहीं पहनते। हालांकि, सलमान के वकील ने कोर्ट में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म रिलीज की संभावना को देखकर , सेंसर बोर्ड प्रमाणन की अनुपस्थिति में भी रोक लगाने की मांग की, जिसे कोर्ट ने अपने आदेश में शामिल किया। अदालत ने फिल्म निर्माताओं को दो सप्ताह के भीतरजवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है, और मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को निर्धारित की गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता मानहानि मामले में तलब, बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने मांगा हर्जाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया द्वारा दायर 2 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को अदालत तलब किया है। अदालत ने सीजेपी को समन जारी किया है। यह मामला भाटिया के खिलाफ आपत्तिजनक और बिना सत्यापन के पोस्ट करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका द्वारा भाटिया के बारे में बिना सत्यापन के किए पोस्ट अनुचित थे। अदालत ने उन्हें ये पोस्ट स्वयं हटाने का सुझाव दिया था, जिसके बाद उनके वकीलों ने कुछ पोस्ट हटाने की पुष्टि की और अन्य को भी हटाने का आश्वासन दिया। वहीं, दीपके ने अपना बचाव कर कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ नहीं लिखा था। मामले की सुनवाई के दौरान भाटिया ने मध्यस्थता के लिए अदालत की पेशकश को अस्वीकार कर अपनी प्रतिष्ठा को पहुंची क्षति के लिए हर्जाना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीजेपी नेताओं के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं और उनके पोस्ट एक दिन में 10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचते हैं, जिससे हुई क्षति गंभीर है। बीजेपी प्रवक्ता भाटिया की मांग पर अदालत ने सभी आपत्तिजनक पोस्ट को 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया और एक्स तथा मेटा को निर्देश दिया कि भविष्य में ये पोस्ट प्लेटफॉर्म पर फिर न दिखें। इसके साथ ही अदालत ने सीजेपी और उसके नेताओं को समन जारी किया। अदालत ने सीजेपी नेताओं को सलाह दी कि वे कुछ भी साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें। न्यायालय ने कहा कि विरोध करने के कई वैध तरीके हैं और युवाओं को इस हद तक जाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रियंका गांधी का नाम और आवाज इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश

-कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट, लोगों से की ऐसे फर्जी निवेश से बचने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
सांसद प्रियंका गांधी के नाम और उनकी आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैम अलर्ट जारी किया। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने को कहा जा रहा है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था। उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। आजकल साइबर ठग लोगों का भरोसा जीतने के लिए रोज नए-नए तरीके निकाल रहे हैं। बड़े नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की एआई से आवाज और वीडियो बनाकर लोगों को भरोसे में लिया जा रहा है और लाखों-करोड़ों की ठगी की जा रही है।
एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर कोई वीडियो आपको बहुत ज्यादा मुनाफे का लालच दे रहा है, तो सतर्क हो जाएं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर करें। सरकार या किसी नेता की तरफ से ऐसी कोई योजना आती है तो उसकी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर देखें।

मुंबई-गोवा हाईवे में देरी पर गडकरी बोले- उद्घाटन में नहीं जाऊंगा

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

पणजी, एजेंसी।
मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी को लेकर उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। गडकरी ने यह भी कहा कि हाईवे का काम पूरा होने के बाद होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में वह शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी और खराब गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और लापरवाही करने वाले अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं।
गडकरी ने बुधवार को पणजी के पास पोरवोरिम में छह लेन वाले एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन के बाद उन्होंने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वह अक्टूबर में मुंबई-गोवा हाईवे से होकर गोवा जाएंगे और रास्ते में खुद काम की स्थिति का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 8 सितंबर को अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई थी।
गडकरी के मुताबिक करीब 440 किलोमीटर लंबे मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण का 93-94 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके बावजूद कई हिस्सों में गड्ढे, जलभराव, मरम्मत और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। मई में खारपाड़ा टोल प्लाजा पर टोल वसूली भी शुरू हो गई थी, लेकिन परियोजना के कुछ हिस्सों में काम और सुधार जारी है। वर्ष 2021 में बंदरों के लिए बनाया गया एक ओवरपास भी ढह चुका है।

जमीन अधिग्रहण से लेकर ठेकेदारों की समस्या

मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण पहले 2016 तक पूरा किया जाना था, लेकिन जमीन अधिग्रहण, निर्माण पूर्व मंजूरियों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं के कारण परियोजना में लगातार देरी हुई। केंद्र सरकार ने 2024 में संसद में भी बताया था कि जमीन अधिग्रहण और कुछ ठेकेदारों की आर्थिक परेशानियों के कारण काम प्रभावित हुआ। गडकरी ने हाईवे के किनारे वैज्ञानिक तरीके से लैंडस्केपिंग करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों की मनमर्जी से पेड़ लगाने के बजाय विशेषज्ञों के अध्ययन के आधार पर फूल और पेड़ों की ऐसी प्रजातियां चुनी जानी चाहिए, जो अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर ऑक्सीजन छोड़ें। यह हाईवे मुंबई को कोंकण के रास्ते गोवा से जोड़ता है और पर्यटन व स्थानीय कारोबार के लिए महत्वपूर्ण है।

निशिकांत दुबे की मांग....राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर लगे रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के विदेश जाने पर तत्काल रोक लगाने और उनकी संसदीय सदस्यता समाप्त करने की मांग उठा दी है। उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1955 में लिखे पत्र का हवाला दिया, जिसमें नेहरू ने कथित तौर पर कम्युनिस्ट विचारधारा को देशद्रोह के समान बताया था। झारखंड के देवघर से सांसद दुबे ने लिखा कि नेहरू के शब्दों के अनुसार, क्या राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म नहीं की जानी चाहिए और उनके विदेश जाने पर रोक नहीं लगनी चाहिए? सांसद दुबे ने नेहरू के हवाले से कहा कि कम्युनिस्ट विचारधारा का मतलब है देशद्रोह, विदेश में जाकर चुनी हुई सरकार के खिलाफ बोलना देशद्रोह है। उन्होंने बताया कि नेहरू ने मशहूर इतिहासकार इरफान हबीब को कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़ा होने के कारण स्कॉलरशिप देने से इंकार किया था। सांसद दुबे ने आरोप लगाया कि विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ बोलना और परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करना देशद्रोह हैं, उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर रोक लगाना पूरी तरह से संवैधानिक होगा। सांसद दुबे ने सवाल किया कि नेहरू द्वारा स्थापित यह मिसाल राहुल गांधी पर क्यों लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम नेहरू के पत्र को आधार माना जाएं, जिसमें यह स्थापित किया गया था कि विदेश में देश के खिलाफ बोलने वाला कोई भी व्यक्ति राष्ट्र-विरोधी है, और कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले विशेष रूप से खतरनाक राष्ट्र-विरोधी हैं, तब उस आधार पर राहुल गांधी को विदेश जाने से क्यों नहीं रोका जाना चाहिए और उनकी संसदीय सदस्यता क्यों नहीं खत्म की जानी चाहिए?

मायावती ने, भतीजे आकाश आनंद को बसपा से किया बाहर

समधी के संन्यास के बाद लिया बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी।
बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए यह घोषणा की कि पार्टी के लोगों को यही बेहतर लगता है कि उन्हें पहले दिनांक 3 सितंबर 2026 को जिस प्रकार से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के अति-महत्वपूर्ण पद की सभी अहम ज़िम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, उसी प्रकार अब उन्हें पार्टी में भी आज से पूरी तरह से फ्री (आज़ाद) कर दिया जाये। अतः श्री आकाश आनन्द पार्टी में अब स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं अर्थात ऐस में अब इनको पार्टी से पूरेतौर से मुक्त कर दिया गया है।
मायावती ने अपने समधी और आकाश आनंद के पिता अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के फैसले पर भी कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, आज श्री अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा अति-देर से उठाया गया यह सही क़दम है। मायावती का कहना था कि अगर यह फैसला पहले ही ले लिया जाता, तो बसपा, बहुजन समाज और बहुजन मूवमेंट के साथ-साथ उनके दामाद आकाश आनंद को भी लगातार विपरीत परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विधानसभा चुनावों और खासकर उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने की तैयारियों के बीच पार्टी व मूवमेंट के व्यापक हित में कई बार कड़े फैसले लेने की जरूरत नहीं पड़ती। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी की अम्बेडकरवादी राजनीति की परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलने वाली त्याग, तपस्या, संघर्ष और कुर्बानी की पहचान है, जहाँ निजी व पारिवारिक स्वार्थ से दूर रहना सर्वोपरि है। उन्होंने कांशीराम जी की तरह खुद को भी इसी सिद्धांत के प्रति समर्पित बताया और पार्टी के सभी लोगों को निजी व पारिवारिक स्वार्थ और पद की लालसा से ऊपर उठने की सीख दी, ताकि सदियों से शोषित, पीड़ित बहुजन समाज शासक वर्ग बन सके। मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के फैसले को देर आये दुरुस्त आये बताया, लेकिन साथ ही उनकी नीयत पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर अशोक सिद्धार्थ को आकाश आनंद के उज्जवल भविष्य और बसपा व उसके अम्बेडकरवादी बहुजन मूवमेंट के प्रति थोड़ी भी चिंता होती, तो वे बिना देरी किए तुरंत संन्यास की घोषणा कर देते। मायावती के अनुसार, ऐसा कुछ भी न होना यह साबित करता है कि अशोक सिद्धार्थ की नीयत में खोट व अभिलाषा अभी भी पूरी तरह से बरकरार है।

लद्दाख के भविष्य पर मसौदा नहीं आने से भड़के वांगचुक, दी आंदोलन की चेतावनी

-गृह मंत्रालय के साथ लद्दाख पर हुई बैठक रही बेनजीता

नई दिल्ली, एजेंसी।
लद्दाख के भविष्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई, जिससे प्रतिनिधिमंडल ने गहरी निराशा जताई है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और लेह एपेक्स बॉडी(लेब) कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की सब-कमेटी के बीच करीब चार महीने बाद हुई इस बातचीत में सरकार की ओर से प्रस्तावित लोकतांत्रिक ढांचे का कोई लिखित मसौदा सामने नहीं रखा गया। लद्दाख के एक्टिविस्ट और लेब से जुड़े सोनम वांगचुक ने इसे निराशाजनक बताया। उनके मुताबिक, पिछली बैठक 22 मई को हुई थी और उम्मीद थी कि इस बार सरकार ठोस प्रस्ताव लेकर आएगी।
वांगचुक ने बताया कि बैठक में उन्हें सवालों की एक सूची दी गई और अगली बैठक में चर्चा का आश्वासन दिया गया, जबकि विधानसभा, सीधे परिसीमन और चुनाव जैसे मुद्दों पर पहले भी बात हो चुकी है और इस बैठक में कोई खास प्रगति नहीं हुई। अगली बातचीत अक्टूबर के पहले सप्ताह में कारगिल में होने पर सहमति बनी है, जहाँ प्रतिनिधिमंडल को ज्यादा स्पष्टता और ठोस प्रस्ताव की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल की मुख्य मांग है कि लद्दाख में जल्द से जल्द लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई विधानसभा स्थापित की जाए और इस प्रस्ताव को संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में रखा जाए, ताकि चुनाव और लोकतांत्रिक संस्थाओं के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सके। एक सकारात्मक चर्चा का जिक्र करते हुए वांगचुक ने बताया कि बीती घटनाओं में मारे गए और घायल हुए लोगों के लिए मुआवजे पर सरकार ने सहमति जताई है, जिसकी घोषणा जल्द की जाएगी। हालांकि, लोगों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। लद्दाख प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलन से जुड़े लोगों पर दर्ज मामलों को चरणबद्ध तरीके से वापस लेने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है और सभी मामलों को एक साथ वापस लेने की मांग की है। सरकार ने इस पर विचार करने की बात कही है। वांगचुक के अनुसार, गृह मंत्रालय ने कुछ फैसलों को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के मुख्य सचिव के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।

बीजेपी देश की सबसे अमीर पार्टी, विधानसभा चुनावों में मिला 1400 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी आज देश के सभी राजनीतिक दलों में सबसे अमीर पार्टी है, इसका खुलासा खुद बीजेपी ने चुनाव आयोग को दिए चुनावी खर्च के ब्योरे में दिया है। चुनावी खर्च के ब्योरे के मुताबिक बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में बीजेपी को कुल 1,472.8 करोड़ रुपए का चंदा मिला।
बीजेपी द्वारा चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के मुताबिक 6 मई, 2026 को चुनाव खत्म होने पर पार्टी का क्लोजिंग बैलेंस बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपए हो गया, जबकि 15 मार्च, 2026 को यह 6,722.6 करोड़ रुपए था। इसमें बीजेपी के सेंट्रल हेडक्वार्टर और संबंधित राज्य की जिला इकाइयां भी शामिल हैं, जिन्हें मिलाकर ये फंड मिला। बीजेपी ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों पर कुल 160 करोड़ रुपए खर्च किए थे। बीजेपी ने सबसे ज्यादा खर्च असम में किया, जो 96.3 करोड़ रुपए था। इसके बाद तमिलनाडु में 51.6 करोड़ और पुडुचेरी 11.9 करोड़ रुपए खर्च किए। पार्टी के आम प्रचार पर करीब 130.4 करोड़ खर्च किए गए, जबकि 29.6 करोड़ रुपए उम्मीदवारों के एकमुश्त भुगतान पर खर्च हुए। पश्चिम बंगाल और केरल इन दो राज्यों के चुनावी खर्च के आंकड़े चुनाव आयोग ने अभी तक सार्वजनिक नहीं किए हैं। असम के लिए बीजेपी के चुनावी खर्च के ब्योरे के मुताबिक पार्टी ने आम प्रचार पर 76.7 करोड़ रुपए खर्च किए, जिसमें उसकी केंद्रीय इकाई द्वारा खर्च किए गए 23.1 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर खर्च किए गए 19.5 करोड़ रुपए शामिल हैं। असम में स्टार प्रचारकों की यात्रा खर्च पर 27.3 करोड़, विज्ञापनों पर 37 करोड़, प्रचार सामग्री पर 8.9 करोड़ और राज्य इकाई द्वारा अन्य खर्चों पर 2.3 करोड़ रुपए खर्च किए गए।
रिपोर्ट के मुताबिक उम्मीदवारों को कुल 19.4 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया और उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने पर 16.7 लाख खर्च किए गए। तमिलनाडु में बीजेपी ने पार्टी के आम प्रचार के लिए कुल 44.5 करोड़ खर्च करने की मंजूरी दी थी। उम्मीदवारों पर 7 करोड़ रुपए खर्च किए। इन्हीं चुनावों के लिए पहले जारी किए गए अपने खर्च के ब्योरे में कांग्रेस ने कुल 248.6 करोड़ रुपए खर्च होने की जानकारी दी थी।

डॉ विवेक को मिला नेताजी सुभाष चन्द्र बोस लीडरशिप अवार्ड

जयपुर के चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ विवेक शर्मा को एशियन कौंसिल फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च,(च) की तरफ से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ विवेक को उनके समाज के लिए सर्वोदय विचारधारा एवम समाज के सब वर्गों के लिए किए गये सामाजिक कार्यों के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा गया। समिति ने डॉ विवेक द्वारा सामाजिक समन्वय एवं सौहार्द के लिए किए कार्यों की सराहना की।

बाइक ले जाने की जिद पर युवक को पीट-पीटकर मारा डाला, चाचा-चाची और घरवालों ने ही वारदात को दिया अंजाम

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में खीरों क्षेत्र के एकौनी गांव निवासी शिवबाबू (24) की शुक्रवार रात लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। चाचा, चाची समेत परिवार के अन्य लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। शिवबाबू का कसूर सिर्फ इतना था कि वह चाचा की बाइक ले जाने की जिद पर अड़ा था। इसी को लेकर विवाद बढ़ा और रात में यह घटना हो गई। विवाद में चाचा को भी चोट आई है। एएसपी आलोक सिंह, सीओ लालगंज सुजीत कुमार राय ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। जांच में कुल्हाड़ी से भी हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मामले में मृतक युवक के पिता की तहरीर पर चाचा, चाची, चचेरे भाई समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया गया कि शिवबाबू पुत्र चंद्रलाल मजदूरी करता था। शुक्रवार दोपहर वह अपने चाचा चंद्रपाल की बाइक लेकर कहीं जाने लगा था। इस पर चाचा ने स्वयं कहीं जाने की बात कहकर बाइक ले जाने से मना कर दिया। लेकिन, वह बाइक ले जाने की जिद पर अड़ा था। आरोप है कि इसी बात को लेकर विवाद हुआ। चाचा समेत अन्य लोगों ने शिवबाबू की पिटाई कर दी। इससे वह घायल हो गया। सूचना पर यूपी-112 पुलिस पहुंची और समझाकर मामला शांत करा दिया। परिजनों के अनुसार, इसके बाद भी दोनों पक्षों में देर शाम तक कहासुनी होती रही। रात में चंद्रपाल गांव से बाहर अमित सिंह के खेत में बटाई पर ली गई सब्जी की फसल की रखवाली करने चले गए। रात करीब 12 बजे शिवबाबू भी वहां पहुंचा। इसी दौरान विवाद होने लगा। विवाद की सूचना मिलने पर परिवार के कई लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे। आरोप है कि वहां शिवबाबू को बेरहमी से पीटा गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी और हाथ-पैर की कई हड्डियां टूट गईं। इससे उसकी मौत हो गई। विवाद में चंद्रपाल भी घायल हो गए। परिजन चंद्रपाल को सीएचसी लालगंज ले गए, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। खीरों थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि चंद्रलाल की तहरीर पर चाचा चंद्रपाल, चाची सविता, चचेरे भाई अमृतलाल उर्फ मन्नू और अन्य अज्ञात के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में कार्रवाई होगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटनास्थल पर घास साफ हो गई थी। जाहिर है कि शिवबाबू आरोपियों से काफी देर तक भिड़ता रहा। बावजूद इसके हमलावर उसे पीटते रहे। पैरों की हड्डियां टूटी थी। सिर के अलावा हाथों में गंभीर चोट के निशान थे। शरीर पर चोटों को देखकर वारदात में कुल्हाड़ी से हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बर्बरतापूर्वक शिवबाबू को मारा गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें शिवबाबू की पिटाई उसका बड़ा भाई भी करते हुए दिख रहा है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। घटनास्थल के आसपास बने मचान पर रह रहे लोगों के अनुसार, चंद्रपाल को जब लोग बाइक से लेकर वहां से चले गए। उसके करीब एक घंटे तक शिवबाबू खेत में पड़ा रहा और पानी पिला दो... पानी पिला दो...कहकर मदद के लिए पुकारता रहा। लोगों का कहना है कि डर के कारण कोई उसके पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। ग्रामीणों के मुताबिक, यदि उसी समय शिवबाबू को अस्पताल पहुंचा दिया जाता तो शायद उसकी जान बच सकती थी। परिजनों के मुताबिक, मारपीट के बाद शिवबाबू के बड़े भाई रामबाबू, चाची सविता और चचेरे भाई अमृतलाल उर्फ मन्नू घायल चंद्रपाल को लेकर घर पहुंचे। बताया कि शिवबाबू मारपीट के बाद कहीं भाग गया है। शिवबाबू के पिता चंद्रलाल भी आरोपी चाचा चंद्रपाल के साथ अस्पताल चले गए। सुबह करीब 7:30 बजे रिश्तेदारों से उन्हें बेटे की हत्या की जानकारी मिली तो वह अस्पताल से गांव लौटे और बिलख पड़े। मृतक शिवबाबू की मां फूलमती ने बताया कि शुक्रवार दिन में बाइक को लेकर बेटे की चाचा व अन्य परिजनों से मारपीट हुई थी। उस समय पुलिस भी गांव आई थी। रात करीब 12 बजे बेटा नित्यक्रिया के लिए जाने की बात कहकर घर से निकला था। बाद में जब घायल चंद्रपाल को घर लाया गया तो बताया गया कि शिवबाबू लड़ाई करके कहीं चला गया है। रात में उसे किसी ने घटना की जानकारी नहीं दी। सुबह गांव वालों से बेटे की मौत का पता चला। शिवबाबू तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसके बड़े भाई का नाम रामबाबू और छोटे भाई का नाम सुमित है। उसकी तीन बहनें रोली, रूबी और पूजा हैं। तीनों बहनों और दोनों भाइयों की शादी हो चुकी है। शिवबाबू अविवाहित था। रक्षाबंधन पर्व के दिन भाई की हत्या से बहनें गमगीन हैं। कहती हैं कि यह सब कैसे हो गया। सब कुछ ठीकठाक था। भाई को राखी भी बांधी थी। जवान बेटे की मौत से मां फूलमती समेत पूरे परिवार में कोहराम मचा है।

अपनी जमीन पर कब्जा पाने में पुलिस को लग गए साढ़े 15 साल, कुछ लोग कर रहे थे कब्जा

अलीगढ़। सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन सच यही है। फरवरी 2011 में गोंडा स्थित नगला दरबर की तत्कालीन प्रधान सोनिया चौधरी ने तीन बीघा जमीन पुलिस पड़ाव के नाम आवंटित की थी। राजस्व अभिलेख में भी यह दर्ज हो गई, लेकिन इस पर कब्जा पाने में गोंडा थाना पुलिस को 16 वर्ष साढ़े छह माह का समय लग गया। पिछले सप्ताह ग्राम पंचायत प्रशासक के पति घूरे सिंह ने इस जमीन पर सफाई कराने के साथ सड़क किनारे नाला खोदवाया था। उसके अगले दिन इस जमीन पर अपने नाम पट्टा आवंटित होने का दावा करते हुए कुछ लोगों ने जेसीबी से खोदाई कराने के साथ मिट्टी डलवा दी। किसी ने सरकारी जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत की तब पुलिस और प्रशासन के अधिकारी चौकन्ना हुए। गोंडा थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मिट्टी की भराई रुकवाई। सोमवार की दोपहर उपजिलाधिकारी आयुष जायसवाल, तहसीलदार ललित नारायण प्रशांत, सीओ कमलेश कुमार अपने साथ राजस्व टीम और पुलिस बल साथ लेकर पहुंचे। ग्राम पंचायत प्रशासक के पति घूरे सिंह को भी बुला लिया। आवंटित तीन बीघा जमीन की पैमाइश कराने के बाद अधिकारियों ने कहा कि उक्त जमीन पर कोई पट्टा नहीं है। जमीन पुलिस पड़ाव के नाम सरकारी अभिलेख में दर्ज है और थाना पुलिस की निगरानी में रहेगी। उक्त जमीन पर अस्थाई अतिक्रमण है जिसे तत्काल हटाने और ऐसा न करने पर सामान को जब्त कर नीलाम किए जाने की चेतावनी दी गई। उपजिलाधिकारी ने पंचायत प्रशासक के पति घूरे सिंह को निर्देश दिया कि सड़क किनारे नाला खोदाई और निर्माण कराने के साथ पुलिस पड़ाव की जमीन पर चारों ओर तार फेंसिंग कराएं। अधिकारियों ने अपने सामने ही उक्त जमीन पर जगह-जगह सरिया गड़वाकर निशानदेही भी कराई। थाना प्रभारी मोनू कुमार आर्य ने बताया कि उक्त जमीन को थाना पुलिस ने अपनी निगरानी में ले लिया है। वहां पर पुलिस स्वामित्व का बोर्ड लगवाया जाएगा। अब किसी ने इस जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश की तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कुछ विधिक कठनाइयों के कारण पुलिस उक्त जमीन पर कब्जा नहीं ले पा रही थी। कुछ ग्रामीण वर्ष 1988 में यहां पर अपने पट्टे बता रहे थे। नवागत एसडीएम ने कागज दिखवाए तो उसमें हाईकोर्ट के निर्देश में स्पष्ट है कि पट्टा आवंटन के तीन वर्ष के अंदर कब्जा नहीं लिया जाता है तो वह स्वतः निरस्त हो जाता है। यह साफ होने के बाद पुलिस ने अपनी जमीन पर कब्जा ले लिया। इस जमीन पर थाना भवन बनाने का प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा।

घूरा हटाने के विवाद में छोटे भाई की पटक-पटक कर हत्या, ट्रैक्टर-ट्रॉली से शव लेकर थाने पहुंचे परिजन

फरीदपुर (बरेली)। बरेली के फरीदपुर क्षेत्र में रास्ते के किनारे ग्राम समाज की जमीन पर पड़े घूरे (कूड़े के ढेर) को हटाने को लेकर मंगलवार सुबह दो सगे भाइयों के बीच संघर्ष हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि ब? भाई और उसके परिजनों ने छोटे भाई को पटक-पटक कर मार डाला। घटना के बाद आक्रोशित परिजन शव को ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादकर थाने पहुंच गए। थाने के गेट पर भीड़ जुटता देख पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन पुलिस ने शव को ट्रॉली से उतरवाकर ई-रिक्शा से सीएचसी भिजवाया, जहां से पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक फरीदपुर क्षेत्र के कुईयां खेड़ा गांव निवासी अमर सिंह यादव (58 वर्ष) का ग्राम समाज की जमीन पर घूरा पड़ता था। बीते दिनों हुई बारिश के कारण घूरा बहकर रास्ते तक फैल गया था। उनका ब?ा भाई मदनलाल (रिटायर्ड शिक्षक) उस जगह से घूरा हटवाना चाहता था। उस जगह के पीछे उसकी जगह है। मंगलवार सुबह मदनलाल ने अमर सिंह पर तुरंत घूरा हटाने का दबाव बनाया। अमर सिंह और उनके बेटों ने कहा कि कुछ दिनों में खेत खाली होने वाले हैं, जिसके बाद यह घूरा फसल में डाल देंगे। आरोप है कि मदनलाल व उसके बेटे और परिजन इस बात पर राजी नहीं हुए और गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते बात मारपीट तक पहुंच गई। परिजनों का आरोप है कि मदनलाल और उसके बेटों ने अमर सिंह को पकड़ लिया और कई बार जमीन पर पटका। इससे अमर सिंह मौके पर ही अचेत हो गए। परिजन इलाज के लिए उन्हें अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना से गुस्साए परिजन शव को सीधे फरीदपुर थाने ले आए। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने गेट से भीड़ हटवाई और शव को सीएचसी भिजवाकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर के मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जाएगी। फरीदपुर सीओ संदीप सिंह नें बताया कि लड़ाई झगड़े का मामला है। मृतक के कोई गंभीर चोट नहीं प्रतीत हो रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एक ही सूट दो महिलाओं को आया पसंद, मंगल बाजार में मच गया हंगामा

पीलीभीत। पीलीभीत के मंगल बाजार में सोमवार दोपहर कपड़े की दुकान पर एक ही सूट पसंद आने को लेकर दो महिलाओं के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों में मारपीट शुरू हो गई। बाजार में काफी देर तक हंगामा होता रहा। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शहर की एक कॉलोनी निवासी महिला और गजरौला थाना क्षेत्र से आई दूसरी महिला दोपहर करीब 12 बजे कोतवाली क्षेत्र में लगने वाली मंगल बाजार में खरीदारी करने पहुंची थीं। दोनों एक कपड़े की दुकान पर गईं, जहां उन्हें एक ही सूट पसंद आ गया। सूट लेने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों सड़क पर एक-दूसरे से मारपीट करने लगीं। हंगामा देख बाजार में मौजूद लोगों ने दोनों को समझाने का प्रयास किया।

पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज 200 बदमाश लापता, एसएसपी ने दिया ऑफर, हिस्ट्रीशीटर ढूंढो और हजार रुपये पाओ

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज करीब 200 हिस्ट्रीशीटर बदमाश पुलिस की निगाह से लापता हैं। इनका न मौजूदा ठिकाना मिल रहा है और न ही सत्यापन हो पा रहा है। अब इनकी तलाश पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने यहां तक ऑफर दे दिया है कि जो सिपाही हिस्ट्रीशीटर को तलाशकर उसका सत्यापन कराएगा, उसे एक हजार रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। पुलिस लाइन में हाल ही में हुई अपराध समीक्षा बैठक में यह स्थिति सामने आई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जिले में दो हजार से अधिक अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खुली हुई है। इनमें करीब 1800 हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन पूरा हो चुका है, जबकि लगभग 200 ऐसे हैं, जिनका मौजूदा पता और गतिविधियां पुलिस के रिकॉर्ड में स्पष्ट नहीं हैं। एसएसपी ने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी बीट कांस्टेबलों को अपने-अपने क्षेत्र के लापता हिस्ट्रीशीटरों की तलाश करने के निर्देश दिए हैं। सिपाही संबंधित अपराधी का वर्तमान पता लगाने के साथ उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाएंगे और उसका भौतिक सत्यापन भी कराएंगे। पुलिसिंग में बीट सिपाही की अपने क्षेत्र के अपराधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उसे क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों के बारे में जानकारी रखने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी जाती है। ऐसे में करीब 200 हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन नहीं होना पुलिस के लिए चिंता का विषय है। अब अभियान के जरिए इनके मौजूदा ठिकाने और गतिविधियों की जानकारी जुटाई जाएगी। एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने कहा कि जो बीट कांस्टेबल अपने क्षेत्र के लापता हिस्ट्रीशीटर को तलाशकर उसका सत्यापन कराएगा, उसे एक हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

NAME CHANGE
I, NASEEM W/O MD UMAR R/O H.NO. E-476, GALI NO. 21, OLD MUSTAFABAD, NORTH EAST DELHI, DELHI-110094 have changed my name to NASIM BANO.

NAME CHANGE
I, AISHA SUFIYAN, W/o MOHD SUFIYAN, R/o 2782, Gali Jhout Wali, Pahari Bhojla, Turkman Gate, Delhi – 110006, have changed my name from DRISHTI KALRA to AISHA SUFIYAN. I shall hereafter be known and identified as AISHA SUFIYAN for all purposes. DRISHTI KALRA and AISHA SUFIYAN are one and the same person.

NAME CHANGE
I, PARMOD KUMAR S/O UMA SHANKAR DUBEY R/O C2-702,SUMMER PALMS,GREATER FARIDABAD, SECTOR-86,FARIDABAD,HARYANA-121002, HAVE CHANGED MY NAME PARMOD DUBEY FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, BUSHRA R/o E-121 GALI NO-9, JAMIA NAGAR ,DELHI-110053. HAVE CHANGED MY NAME TO BUSHRA JAHAN.

NAME CHANGE
I, PIYUSH JAIN S/O VINOD JAIN R/o C-702, VVIP ADRESSES, VVIP STYLE MALL, RAJ NAGAR EXTENSION, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201017, have changed the name of my minor daughter MAITRI JAIN aged 16 years and she shall hereafter be known as MEET JAIN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Shilpa W/O Deewaker R/O Tower-A-1, Flat no 202, Unitech Residencies Sec 33, Gurgaon Haryana - 122001 Have changed my name to Shilpa Chakarvarti for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shilpa Chakarvarti W/O Deewaker R/O Tower- A-1, Flat no 202, Unitech Residencies Sec 33, Gurgaon Haryana - 122001 Have changed the name of my minor daughter from Nitara to Nitara Chakarvarti for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Deewakar Chakarvarti S/O Sunder Lal R/O Tower- A-1, Flat no 202, Unitech Residencies Sec 33, Gurgaon Haryana - 122001 Have changed my name to Deewaker for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Pamaljit Kaur W/O Trilochan Singh R/O Flat No15c,tower-b2,ild Grand,sector-37c, gurgaon, haryana-122001 Have Changed My Name From Pamaljit Kaur to Pamaljeet Kaur for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, AISHA SUFIYAN, W/o MOHD SUFIYAN, R/o 2782, Gali Jhout Wali, Pahari Bhojla, Turkman Gate, Delhi – 110006, have changed my name from DRISHTI KALRA to AISHA SUFIYAN. I shall hereafter be known and identified as AISHA SUFIYAN for all purposes. DRISHTI KALRA and AISHA SUFIYAN are one and the same person.

NAME CHANGE
I, Piyush S/o Shiamender Vir R/o House No.-2078, Vill-Tigaon, Faridabad-Haryana-121002 have changed my name to Piyush Parashar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vanshika D/o Uttam Singh R/o 288, Munirka, J N U, Delhi-110067 have changed my name to Vanshika Uttam Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I Reena D/o prem prakash R/O A-7, gali no-1 gurudwara road vikas nagar extn uttam nagar west delhi , delhi-110059 I have changed my name to Reena Goswami

NAME CHANGE
I, Rajesh Bansal S/O Lachhi Ram, C-7/113, Sector 7, Rohini, North West Delhi Pin:110085 Have changed My Name To Rajesh Kumar For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Parveen S/O Jai Singh, House Number 245, Bazidpur Saboli, (57) PO: Nathupur, Dist : Sonipat Haryana Pin: 131029 Have changed My Name To Parveen Kumar For All The Future Purposes.

PUBLIC NOTICE
I, on behalf of my clients, Meena Wife Of Late Shri Sanjay Resident Of F-1/218, Sangam Vihar, New Delhi-110080, hereby inform the general public that they have disowned and debarred their both son Rakesh Kumar and his wife Jyoti and. Sandeep Kumar and his wife Manju, from all their movable and immovable properties, assets, rights, interests, and claims due to her misconduct and misbehavior towards them. They have also severed all relations with her. My clients shall not be liable or responsible for any act, omission, debt, liability, or transaction undertaken by their both sons and both Daughter-in-law.
Mukesh Kumar Advocate
CH. No.888, Saket Court,
New Delhi-110017.
Mob No.-9717018997

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, S. M. QUTBUDDIN DEHLVI S/O S.M. FAHIMUDDIN R/O E-53, QUTUB MANZIL, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, DELHI-110025 declare that name of mine, my father and my mother have been wrongly written as SYED MD QUTUBUDDIN, SYED MD FAHIMUDDIN and KANIZ FATMA in my all educational documents, Birth Certificate No-MCDOLIR-0115-006732350 & Voter Card No-NWD3296075 And name of mine and my father has been wrongly written as SYED MD QUTUBUDDIN and SYED MOHD FAHIMUDDIN in my PAN Card No-AAFPQ8714Q And name of mine and my father has been wrongly written as SYED MOHAMMAD QUTUBUDDIN and SHYED MOHD FAHIMUDDIN in my Driving License No-DL-0320120359532. The actual name of mine, my father and my mother are S. M. QUTBUDDIN DEHLVI, S.M. FAHIMUDDIN and KANEEZ FATIMA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, TUSHAAR, S/o. SUKHBIR SINGH, R/o. FLAT NO-124, SUNVIEW APARTMENT, PLOT NO-10B, SECTOR-9, DWARKA, NEW DELHI-110077, have changed my name from TUSHAAR to TUSHAR SINGH, hence forth I shall be known as TUSHAR SINGH for all future purposes.

नाम परिवर्तन
मैं, जिसे अब तक ऋत्विक राणा के नाम से जाना जाता था, पिता रविंदर कुमार, निवासः A-88, ओम विहार, फेज-5, पीर बाबा रोड के पास, उत्तम नगर, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110059, ने अपना नाम बदल लिया है और अब से मुझे शिवम राणा के नाम से जाना जाएगा।

NAME CHANGE
I,hitherto known as Shabina Prveen D/o. Muzaffar Abbas, W/o. Shahid Hussain Alias Shahid Husain, R/o. H. No. 46, Gali No. 5, Near Azad Chowk, Kardampuri, Shahdara, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Shabina Parveen.

NAME CHANGE
I DEEPAK S/O NARINDER KUMAR GUPTA R/O B-5/79 B-5 BLOCK PASCHIM VIHAR WEST DELHI, DELHI-110063 HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPAK AGGARWAL

NAME CHANGE
I PRIYA W/O DEEPAK AGGARWAL R/O B-5/79 B-5 BLOCK PASCHIM VIHAR WEST DELHI, DELHI-110063 HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYA AGGARWAL

NAME CHANGE
I, ZAHIDA KHANAM, wife of MOHD. ASLAM, R/o 2782, Gali Jhot Wali, Pahari Bhojla, Turkman Gate, Delhi-110006, have changed my name from ZAHIDA KHANAM to ZAHIDA BEGUM for all future purposes and both are same person.

NAME CHANGE
I, Atia Kamal w/o Mohammad Rizwan R/o 1290, Gali Gau Khana Haveli Hissamuddin Haider Ballimaran, Delhi-110006 have changed my name to Atiya Rizwan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Roshan Singh / Roshan Bisht S/o Khim Singh R/o Baleshwar Ward, Dungadhara, Almora, Uttarakhand-263601 have changed my name to Roshan Singh Bisht for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAJESH S/o Dewa Singh R/o D-138, Extn-2, Near Jai Mata Chowk, Nangloi, Delhi-110041, have Changed my name to RAJESH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ANAM FATMA W/O Mustafa Kamal Saiyad R/O 651, 2nd floor, gali No-12, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Okhla, PO-New Friends Colony, DIST-South Delhi, Delhi-110025 have changed the name of my minor daughter Aisha aged 14 years and she shall hereafter be known as Ayesha Fatma.

सार्वजनिक सूचना
यह सामान्य जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि मैं फजरूद्दीन सैफ़ी, पुत्र मुंशी खान, निवासी मकान नं. 220, ब्लॉक L-Extension, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली – 110059, यह घोषणा करता हूँ कि मेरी 16 वर्षीय नाबालिक बेटी (जन्म तिथि 01.01.2010) का नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र और 10वीं की मार्कशीट सह प्रमाण पत्र में NISHA लिखा हुआ है, जबकि उसके आधार कार्ड में NISHA SAIFI लिखा हुआ है। मेरी बेटी का वास्तविक और पूरा नाम उसके आधार कार्ड के अनुसार NISHA SAIFI है। इसलिए आगे से वह NISHA SAIFI के नाम से जानी जाएगी। यह प्रमाणित किया जाता है कि इस संबंध में मैंने सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी कर ली हैं।

नाम परिवर्तन
मैं,I,ARMY NO.2708760W RANK - HAV, NAME - ARASAD ALI, UNIT - HQ |w INF DIV, निवासी ग्राम – कोलिण्डा, पोस्ट – कोलिण्डा, तहसील – बिसाऊ, जिला – झुन्झुनू (राजस्थान), पिन कोड नम्बर – 333001, शपथ पूर्वक घोषणा करता हु कि मेरी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे बेटे का नाम मोहद अबीर दर्ज है जो कि गलत है। मेरे बेटे का सही नाम मोहम्मद अबीर है जो उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अतः मेरे बेटे के इन सही नामों को पढ़ा व समझा एवं मेरे सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Sunita Sharma in respect of House No. 33A, measuring 93 Sq. Yards, (29Ft X 29 Ft), Property ID No. 1CLDUO22, within Khasra No. 2702 situated in the Revenue Estate of Village Gurgaon, Colony known as Ashok Vihar Phase - 2 Gurugram, Tehsil & distt. Gurugram, Haryana.; for Lost OF Property document i.e, CTC of Intekal No.22199, dated 02.09.1997 in favour of Mr. M.L Sharma, ORIGINAL REGD. SALE DEED EXECUTED IN FAVOUR OF MR. M.L SHARMA IN RESPECT OF PLOT NO.33, AREA MEASURING 93 SQ. YARDS AND Original Sale Deed dated 17.09.1999 executed by Mr. M.L Sharma in favour of Mr. Sunder Singh Yadav in respect of Plot No.33, area measuring 93 Sq. Yards, Doc. No.7634 AND Copy of Intkal No.28370, dated 26.10.1999 in favour of Mr. Sunder Singh Yadav. An E-FIR was registered for the same examined by E-Police vide LR No. 621664/2026 on 10.09.2026, This property is mortgaged with Bajaj Housing Finance Limited. Any person(s)/ Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land, If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

अतिक्रमण से परेशान काकादेव व एच-2 ब्लॉक निवासी, नगर आयुक्त से मिलकर दिया ज्ञापन

कानपुर। पांडुनगर एच-2 ब्लॉक में बहुमंजिला अपार्टमेंट बनने से यहां के निवासियों को परेशानी उठानी पड़ रीह है। इसे लेकर मंगलवार को पांडुनगर एच-1 ब्लॉक नागरिक समिति के पदाधिकारी नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मिले और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इसमें अतिक्रमए हटवाने की मांग की गई। नगर आयुक्त ने नगर निगम, जोन- 6 के अधिकारियों को अतिक्रमण हअवाने के निर्देश दिए हैं। वार्ड-64, सर्वोदयनगर के पार्षद नीरज बाजपेई के साथ समिति के पदाधिकारी नगर आयुक्त के पास पहुंचे। उन्हें बताया कि क्षेत्र में अत्यधिक बहुमंजिला अपार्टमेंट्स बनने से समस्याएं आ रही है। अधिकांश निर्माण नियमों के विपरीत हो रहे है। आसपास बने निर्माणों में रहने वाले लोगों को अत्यंत परेशानियाँ हो रही हैं। नालियों तक अतिक्रमण कर कब्जा किया गया है। अपार्टमेंट में पार्किंग की जगह न दिए जाने से सड़क पर चारपहिया वाहन खड़े रहते जिससे आने-जाने में दिक्कत हो रही है। आवासीय इलाके में सेट बैंक (खुला स्थान)) छोड़े बिना निर्माण कराए जा रहे हैं। इस पर नगर आयुक्त ने जोन-6 के जोनल अधिकारी महेंद्र कुमार को मौके पर जाकर निरीक्षण करने और अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए हैं।

स्वाधीनता संग्राम सेनानी, महान अधिवक्ता और उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पंत जी का अविस्मरणीय योगदानः मुख्यमंत्री

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने उत्तर प्रदेश के आर्थिक उन्नयन के साथ ही, समाज के प्रत्येक तबके के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुधारों की शुरुआत की। भूमि सुधार के क्षेत्र में उनके द्वारा प्रस्तुत मॉडल महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला रहा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी केवल उत्तर प्रदेश के निर्माण और विकास तक सीमित नहीं रहे, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। गृह मंत्री के रूप में उन्होंने देश की एकता, अखण्डता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उस समय देश के भीतर भाषायी संघर्ष की परिस्थितियाँ थीं। समाज में नए विभाजन की नींव डालने के प्रयास भी हो रहे थे। पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी ने अपनी राजनीतिक सूझबूझ, दूरदर्शिता और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता के साथ इन चुनौतियों का समाधान निकालने का प्रयास किया। हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने में भी पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। राष्ट्र की एकता और भारतीय भाषाओं के सम्मान के साथ हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी का सार्वजनिक जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि सत्ता और पद का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज की सेवा होना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर उत्तर प्रदेश के निर्माण और केन्द्र सरकार में महत्वपूर्ण दायित्व तक उन्होंने प्रत्येक भूमिका का निर्वहन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए किया। आज पं0 गोविन्द वल्लभ पंत जी की पावन जयन्ती के अवसर पर हमें उनके आदर्शों और संकल्पों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिए। उनके द्वारा स्थापित सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्रहित की परम्परा को आगे ब?ना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

NAME CHANGE
I SHARUF S/0 SHAFIQ R/0 1164 5TH FLOOR KUCHA MAHAJANI CHANDNI CHOWK DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO SHARUF KHAN

NAME CHANGE
I SHAFIQ S/0 MAJID KHAN R/0 1164 5TH FLOOR KUCHA MAHAJANI CHANDNI CHOWK DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO SHAFIQ KHAN

NAME CHANGE
I SARBJOT KAUR W/0 INDERPREET SINGH R/0 K1-101 SECTOR 103 INDIABULLS CENTRUM PARK GURGAON HARYANA 122006 CHANGED MY NAME TO SARBJOT

NAME CHANGE
I, NEMA MOURYA W/O RADHEY SHYAM R/O 77B, Pooja Colony, Loni, Pavi Sadanapur, Ghaziabad , Uttar Pradesh 201102 have changed the name of my minor son ANSH KUMAR aged 15 years and he shall hereafter be known as ANSH MOURYA.

NAME CHANGE
I, GANESH MAURYA S/O SHOBHANATH MAURYA R/O HOUSE NO.89, Near Deepak School, Puneet Enkalev Loni, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102 have changed the name of my minor daughter ANSIKA MOURYA aged 16 years and she shall hereafter be known as ANSHIKA MAURYA.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) किशोर, पुत्रः** काली चरण, **पताः** गाँव बंथिला लोनी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश **(2) सोनू, पुत्रः** धर्मबीर, **पताः** चिरोडी रोड धरश नगर टीला मोड़ लोनी गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश Case No. 14202/2024, FIR No. 468/2020, पुलिस थानाः नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है), और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) किशोर (2) सोनू,** मिल नही रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) किशोर (2) सोनू,** फरार हो गए है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **(1) किशोर (2) सोनू, Case No. 14202/2024, FIR No. 468/2020, पुलिस थानाः नंद नगरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अभय चौधरी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–09
शाहदरा कोर्ट नंबर 20
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12438/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पंकज पुत्र सुधीर कश्यप निवासी गली नंबर 1, अब्दुल्ला मस्जिद के पास चमन विहार लोनी देहात गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 000307/2022 धारा 411 भा.द.स. के तहत** थानाः जीटीवी एन्कलेव, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **पंकज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **पंकज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 000307/2022 धारा 411 भा.द.स. के तहत थाना जीटीबी एन्कलेव, दिल्ली के उक्त पंकज** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुकृति झा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 54, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12846/SHD/2026

Court Notice

PROCLAIMATION REQUIRED ATTENDENCE OF DEFENDANTS
(Order 5 Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF MS. CHARU GUPTA JUDGE/MACT S/E SAKET NEW DLEHI

SUIT NO. 1738/24
SUNITA......................Petitioner/s
ANKIT YADAV....... Respondent/s
To
1 ANKIT YADAV
ADDRESS S/O SH.HOSHIYAR SINGH R/O MCF-932, NEAR MADRASI MANDIR SANJAY COLONY SECTOR-23, DISTT FARIDABAD, HARYANA 121005

Whereas (Petitioner) SUNITA has presented the petition under the Motor Vehicles Act for grant of compensation on account of injuries/loss suffered in a motor vehicle accident, and whereas you are respondent No. 01 in the said case proceedings and whereas despite reasonable efforts and attempts for service, your presence could not be secured, as you are intentionally evading service of summons, it is hereby notified that the next date of hearing in the said proceedings is 20.11.2026 You are required to appear in the said proceedings in person, or through your representative, and in case of failure/default in appearance in the said proceedings on 20.11.2026, the matter be proceeded ex-parte against you. Given under my hand dated 01.06.2026 and seal of the Court.

CHARU GUPTA
PO-MACT-01, SOUTH-EAST
SAKET, NEW DELHI

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नूंह में स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा व्यापक विस्तार, जिला अस्पताल व नए स्वास्थ्य केंद्रों से ग्रामीणों को मिलेगा लाभ : उपायुक्त अखिल पिलानी

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि जिला नूंह में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा नूंह के पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में 155.49 करोड़ रुपये की लागत से 100 बेड क्षमता वाले जिला सामान्य अस्पताल (डीसीएच) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया जा चुका है। परियोजना के पूर्ण होने से जिले के नागरिकों को आधुनिक एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी। उपायुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न परियोजनाओं के तहत जिले के कई गांवों में नए उप-स्वास्थ्य केंद्र भवनों का निर्माण भी किया जाएगा। इसके तहत गांव अडबर में 60 लाख रुपये, छारोड़ा में 79 लाख रुपये, कंकर खेड़ी (खेरली नूंह) में 64 लाख रुपये, नई में 69 लाख रुपये, सिरोली में 61 लाख रुपये तथा इंडरी में 63 लाख रुपये की लागत से उप-स्वास्थ्य केंद्र भवनों का निर्माण किया जाएगा।

हरियाणा सरकार द्वारा बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना

यमुनानगर। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति और टपरीवास समुदाय के पात्र परिवारों को 71 हजार रुपये की राशि विवाह के अवसर पर दी जा रही है। इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग परिवार को विवाह के अवसर पर कन्यादान के रूप में 51 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। वहीं विधवा, तलाकशुदा, अनाथ या बेसहारा महिलाओं के पुनर्विवाह पर (यदि पहली शादी के समय योजना का लाभ नहीं लिया गया हो) को भी 51 हजार रुपये की राशि दी जाती है। यदि नवविवाहित दंपती दिव्यांग हैं तो उन्हें भी 51 हजार रुपये की सहायता राशि मिलेगी। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की कन्याओं के विवाह में सहायता प्रदान करना है।

खेलो मेवात 2.0 की तैयारियों को लेकर उपायुक्त अखिल पिलानी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी ने खेलो मेवात 2.0 के सफल आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि खेलो मेवात 2.0 को भव्य एवं सफल बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं प्रशिक्षक अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता, तत्परता एवं निष्ठा के साथ निर्वहन करें। उपायुक्त ने बताया कि नूंह में 16 से 18 सितंबर 2026 तक राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके मद्देनजर खेलो मेवात 2.0 के मुकाबले राज्य स्तरीय खेलों के आयोजन के बाद शुरू किए जाएंगे। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी ऑफलाइन पंजीकरणों को 11 सितंबर 2026 तक वेबसाइट पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी पंजीकरण में कोई कमी या दस्तावेज संबंधी त्रुटि है तो उसे तत्काल चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कोच एवं स्पोर्ट्स अधिकारी नूंह की टीम को निर्देश दिए कि पंजीकरण का कार्य करने वाले सभी ऑपरेटरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा कार्य की नियमित निगरानी की जाए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को होगा 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम : एसडीएम सुरेन्द्र सिंह

रतिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आगामी 17 सितंबर 2026 को रतिया उपमंडल में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को कार्यक्रम से जोड़कर उनमें सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है।एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बूथ स्तर पर विभिन्न सरकारी योजनागत लाभार्थियों को शामिल किया जाएगा। संबंधित विभागों से योजनाओं के लाभार्थियों की सूची प्राप्त कर उन्हें चिन्हित किया जाएगा तथा कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक जानकारी दी जाएगी। एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि 17 सितंबर को सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर ड्यूटी देंगे। संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी यह सुनिश्चित करेंगे कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को कार्यक्रम में शामिल किया जाए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत और व्यापक रणनीतिक साझेदारी है : सीएम

हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा, स्किल, इनोवेशन और निवेश के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएं : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में भारत में ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर श्री फिलिप ग्रीन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, इनोवेशन, कृषि, ग्रीन एनर्जी, खेल, टूरिज्म, निवेश तथा युवाओं को वैश्विक अवसर उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत और व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, तकनीक, इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट और लोगों के बीच संपर्क लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में हरियाणा के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ राज्य स्तर पर सहयोग को और मजबूत करने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत होते संबंधों का लाभ हरियाणा के युवाओं, विद्यार्थियों, किसानों, उद्यमियों और उद्योगों तक पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा, स्किल, रिसर्च, इनोवेशन और नई तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग से हरियाणा के विकास को नई गति दी जा सकती है।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री अजय कुमार, विदेश सहयोग विभाग में मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री पवन चौधरी, विदेश

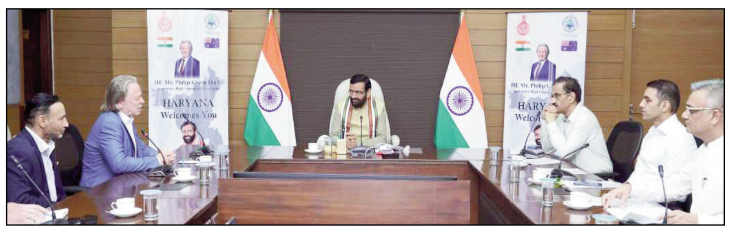

सहयोग विभाग की संयुक्त निदेशक श्रीमती हिना बिंदलिश सहित ऑस्ट्रेलिया-इंडिया बिजनेस काउंसिल से जुड़े प्रतिनिधि एवं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने तथा दोनों पक्षों के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस सहयोग को और अधिक मजबूत करने के संबंध में भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।बैठक में हरियाणा की यूनिवर्सिटीज और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं रिसर्च संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, कृषि, इंजीनियरिंग, क्लीन एनर्जी और पब्लिक पॉलिसी जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रिसर्च, स्टूडेंट और फैकल्टी एक्सचेंज तथा संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों और रिसर्च संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ लेकर हरियाणा में इनोवेशन, रिसर्च और इंडस्ट्री-एकेडमिया पार्टनरशिप को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने हरियाणा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, रिसर्च एवं इनोवेशन हब तथा नई तकनीकों से जुड़े प्रशिक्षण केंद्र विकसित करने में ऑस्ट्रेलिया के सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

सैनिकों का ऋण कोई राष्ट्र नहीं चुका सकता, सरकार उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : राव नरबीर सिंह

हरियाणा के युवाओं में सेना में जाने का जज्बा, चाहे ओआर हो या अधिकारी रैंक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों का ऋण कोई भी समाज या राष्ट्र कभी नहीं चुका सकता। सरकार केवल उनके और उनके परिवारों के कल्याण तथा हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं में भारतीय सेनाओं में शामिल होने का गजब का जज्बा है, चाहे वह अन्य रैंक हो या अधिकारी स्तर।

श्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि हाल ही में पंचकूला में राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय (आरआईएमसी), देहरादून के लिए भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह परीक्षा जनवरी 2027 में शुरू होने वाले सत्र के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1922 में आजादी से पहले हुई थी। स्थापना के बाद

से ही यह संस्थान सैन्य नेतृत्व की नर्सरी के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बड़ी संख्या में विद्यार्थी आगे चलकर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) और भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पहुंचे हैं।

सैनिकों के कल्याण के लिए बजट में 58.93 प्रतिशत की बढ़ोतरी

राव नरबीर सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2016 में सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का गठन किया था। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2026-27 के बजट में सैनिकों के पुनर्वास और आजीविका संवर्धन के लिए हरियाणा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण निगम स्थापित करने की घोषणा की है। इसकी प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के बजट में 58.93 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 178.14 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह सरकार की सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक शहीद सैनिकों के 423 आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। इसके साथ ही सशस्त्र पुलिस बलों और अग्नि वीरों को दी जाने वाली एकमुश्त वीरता पुरस्कार राशि में भी वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने अग्निवीरों के पुनर्वास के लिए सरकारी नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों की तर्ज पर आरक्षण देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में हरियाणा मंत्रिमंडल द्वारा नीति को मंजूरी भी प्रदान की जा चुकी है।

फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत 10 सितम्बर तक खरीद सकते हैं कृषि यंत्रः डॉ. जसविंद्र सिंह

एजेंसी

करनाल,। उप कृषि निदेशक डॉ जसविंद्र सिंह ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के फसल अवशेष प्रबंधन घटक के तहत वर्ष 2026-27 के दौरान कृषि यंत्रो पर 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध करवाने हेतु निदेशालय से प्राप्त लक्ष्य के अनुसार 21 अगस्त को जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से किसानों का चयन किया गया था।

उन्होंने बताया कि चयनित किसानों के दस्तावेजों की जांच करने उपरान्त पात्र किसानों को 25 अगस्त तक ऑनलाइन परमिट जारी कर दिए गए थे।

सहायक कृषि अभियंता कुलबीर सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा जारी किये गए ऑनलाइन परमिट को डाउनलोड करने तथा मशीन खरीदने की अन्तिम तिथि 10 सितम्बर निर्धारित की गयी है। किसान निर्धारित तिथि तक परमिट डाउनलोड करके मशीन की खरीद कर लें और कृषि यंत्र का बिल एवं सम्बंधित दस्तावेज (बिल , ई-वे बिल, परमिट, मशीन खरीदने हेतु किये गए ऑनलाइन भुगतान की पावती तथा मशीन के लेजर कटिंग कोड, नंबर प्लेट एवं मशीन के साथ किसान की फोटो) सहायक कृषि अभियंता कार्यालय में जमा करवाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान उप कृषि निदेशक कार्यालय व सहायक कृषि अभियंता कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच में लाएं तेजी : अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल

एजेंसी

सिरसा। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति-जनजाति के व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार का अत्याचार या दुर्व्यवहार होता है तो पीड़ित परिवार को तुरंत प्रभाव से सहायता प्रदान की जाए। पीड़ित को समय पर मिली सहायता आर्थिक सबल बनाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी मदद करती है। इसलिए किसी दुर्घटना या अत्याचार के शिकार व्यक्ति को समय पर आर्थिक मदद मुहैया करवाई जाए और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आर्थिक सहायता देने में किसी प्रकार का विलंब न हो। अतिरिक्त उपायुक्त लघु सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करने के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत दर्ज केसों व पीड़ितों को दी जा रही आर्थिक सहायता की समीक्षा की। बैठक में डीएसपी राजबीर सिंह, जिला न्यायवादी विनोद कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुमित्रा देवी, जिला कल्याण अधिकारी राकेश कुमार सहित कमेटी के सदस्य

उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत जिले में दर्ज हुए मामलों की जांच में तेजी लाएं, जिससे पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाकर आर्थिक सहायता दी जा सके। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि पुलिस जांच लंबित न रहे और एक तय समय में मामलों की जांच की जाए।

आवेदन पत्र भरते ही मिलेगा मुफ्त पेयजल एवं सीवर कनेक्शन : अमित कुमार संडीला

एजेंसी

नूंह। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अमित कुमार संडीला ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए पेयजल एवं सीवर कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया को बेहद सरल और जनहितैषी बनाया गया है। अब जिले के सभी कस्बों के नागरिकों को न तो ऑनलाइन आवेदन करने की आवश्यकता होगी और न ही विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे। केवल आधार कार्ड और एक साधारण आवेदन पत्र जमा करवाकर उपभोक्ता निशुल्क पेयजल एवं सीवर कनेक्शन प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम स्वयं मौके पर पहुंचकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करेगी तथा घर या दुकान पर पेयजल एवं सीवर कनेक्शन उपलब्ध करवाएगी। इससे आमजन को समय, धन और अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

कार्यकारी अभियंता अमित कुमार संडीला ने बताया कि पूर्व में पेयजल कनेक्शन लेने के लिए उपभोक्ताओं को ऑनलाइन आवेदन करने के साथ 1050 रुपये की धरोहर राशि जमा करवानी पड़ती थी। इसके अतिरिक्त पानी का मीटर स्वयं खरीदना, पाइपलाइन की खुदाई करवाना, कनेक्शन संबंधी खर्च वहन करना तथा नगरपालिका क्षेत्रों में सड़क कटिंग शुल्क भी देना पड़ता था। इन सभी प्रक्रियाओं के कारण नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था और उन्हें कई बार विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद नागरिकों को इन सभी जटिल प्रक्रियाओं से राहत मिलेगी। केवल आधार कार्ड और साधारण आवेदन पत्र जमा करवाने पर नया वैध पेयजल एवं सीवर कनेक्शन प्राप्त किया जा सकेगा। इसके साथ ही जिन उपभोक्ताओं ने पहले से पेयजल कनेक्शन लिया हुआ है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान, जिला भर में आयोजित होंगे जनसेवा के कार्यक्रम : डीसी

सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी व सफल बनाने के लिए डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने अधिकारियों की ली बैठक, कहा- व्यापक स्तर पर करें तैयारियां

एजेंसी

करनाल। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन तथा जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार की ओर से प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'जनसेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाना तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से विभिन्न चरणों में 14 अलग-अलग मॉड्यूल/कार्यक्रम विभिन्न संबंधित विभागों के समन्वय से आयोजित किए जाने हैं। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने यह जानकारी लघु सचिवालय के सभागार में सेवा संकल्प अभियान

को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी मॉड्यूल के अनुसार अपने-अपने विभाग से संबंधित गतिविधियों व कार्यक्रमों की व्यापक स्तर पर तैयारियां करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिला में एडीसी डॉ राहुल रईया को इस अभियान का ओवरऑल इंचार्ज बनाया गया है जोकि सभी संबंधित विभागों व अधिकारियों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए अभियान के सभी मॉड्यूलों का सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रमों के प्रभावी व समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठक आयोजित करेंगे तथा विभागों से प्रगति रिपोर्ट प्राप्त करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मॉड्यूलों के अनुसार सभी नोडल विभागों के अधिकारी अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों/कार्यक्रमों का खर्च अपने-अपने विभाग के माध्यम से वहन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला की एक कॉफी टेबल बुक तैयार की जाएगी जिसके लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित गतिविधियों/कार्यक्रमों की एचडी क्वालिटी फोटो व वीडियो एडीसी व डीआईपीआरओ को भेजना सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निपटान के लिए प्रिजाइडिंग ऑफिसर व सदस्य नियुक्त : सीजेएम डॉ. सुयशा जावा

जिला व उपमंडल स्तर पर 12 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

एजेंसी

फतेहाबाद। जिला व उपमंडल स्तर के न्यायिक परिसरों में 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निपटान के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के दिशा निर्देशानुसार प्रीजाइडिंग ऑफिसर व सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. सुयशा जावा ने बताया कि आगामी 12 सितंबर (शनिवार) को जिला व उपमंडल स्तर पर तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा जिसमें अपराधिक जटिल मामलों, एनआई एक्ट 138, एमएसीटी जिसमें एआईआर तथा ट्रांसपोर्ट

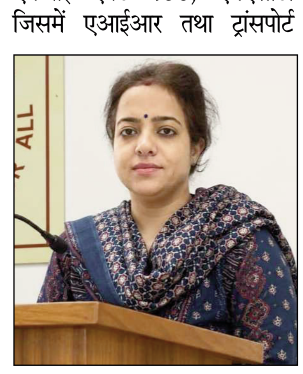

मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके अलावा राष्ट्रीय लोक अदालत में वैवाहिक, श्रम, भूमि अधिग्रहण, किराया, बैंक रिकवरी, राजस्व, मनरेगा, बिजली व पानी बिल, वन अधिनियम, आपदा मुआवजा इत्यादि अन्य मामलों की भी सुनवाई की जाएगी।

सीजेएम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निपटान के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग को प्रीजाइडिंग ऑफिसर लगाया गया है और उनके साथ अधिवक्ता प्रीतपाल को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार पारिवारिक मामलों के निपटान के लिए प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय शिखा को प्रीजाइडिंग ऑफिसर व अधिवक्ता राजबाला को सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जैस्मिन बावा को प्रीजाइडिंग ऑफिसर व अधिवक्ता संदीप कुमार को सदस्य नियुक्त किया गया है। चेक बाउंस /138 एन आइ एक्ट के मामलों के निपटान के लिए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंदर जांगड़ा को प्रीजाइडिंग ऑफिसर व गगनदीप माजरा को सदस्य नियुक्त किया गया है।

उप मंडल रतिया में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों के निपटान के लिए उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सलोनी गुप्ता को प्रीजाइडिंग ऑफिसर व अधिवक्ता सलीम कुमार को सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार उप मंडल टोहाना में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों के निपटान के लिए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मुकेश कुमार को प्रीजाइडिंग ऑफिसर व अधिवक्ता मोहित बंसल को सदस्य नियुक्त किया गया है। सीजेएम ने कहा कि नागरिक लंबे समय से न्यायालय में लंबित मामले जिसमें दोनों पक्षों की आपसी सहमति से मामलों का निपटारा करना चाहते हैं ऐसे मामले भी राष्ट्रीय लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इन मामलों का भी लोक अदालत में निपटारा किया जाएगा।

संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता जारी, गुरुग्राम के युवा एवं विद्यार्थी बढ़-चढ़कर लें भाग : डीसी उत्तम सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता जारी है। माई जीओवी के सहयोग से आयोजित यह राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता 15 सितंबर तक चलेगी। डीसी उत्तम सिंह ने गुरुग्राम जिले के युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों, कॉलेज छात्रों तथा आम नागरिकों से इस राष्ट्रीय पहल में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है। यह प्रतियोगिता केवल एक ऑनलाइन क्विज नहीं, बल्कि देश के इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत विभाजन के दौरान लाखों लोगों ने जिन कठिन परिस्थितियों का सामना किया, उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझना आज की युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है। इस प्रकार की पहल युवाओं में इतिहास के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करेगी। डीसी ने कहा कि जिला के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालय तथा उच्च शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने में सहयोग करें। सभी शिक्षण संस्थान प्रार्थना सभा, सूचना पट्ट, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा अन्य माध्यमों से विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की जानकारी उपलब्ध कराएं और उन्हें पंजीकरण के लिए प्रेरित करें। डीसी ने बताया कि प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क है तथा इसमें सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं। यह एक समयबद्ध ऑनलाइन क्विज होगी, जिसमें सफलतापूर्वक भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को मई jiovi की ओर से डिजिटल ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

आईडीबीआइ बैंक के निजीकरण की दिशा में कदम, फेयरफैक्स डील में आगे

सरकार और फेयरफैक्स के बीच कीमत पर अटका मामला, शेयर 11 फीसदी गिरे

मुंबई ।

देश के प्रमुख सरकारी बैंक आईडीबीआइ बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सरकार बैंक में अपनी 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है, और इस दौड़ में कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स में सबसे आगे दिख रही है। यदि आपका भी खाता इस बैंक में है, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक फेयरफैक्स ने प्रति शेयर करीब 81 रुपये की पेशकश की है, जिससे सरकार की हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 53,000 करोड़ रुपये हो जाता है। हालांकि, इस प्रस्तावित कीमत पर सरकार और फेयरफैक्स के बीच अंतिम सहमति अभी तक नहीं बन पाई है। इसी मुद्दे पर सोमवार को वित्त मंत्रालय में उच्च-स्तरीय बैठक भी हुई। इस खबर के सार्वजनिक होते ही बैंक के शेयरों में लगभग 11 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। फेयरफैक्स का भारत में पहले से ही आईआईएफएल फाइनेंस और सीएसबी बैंक में निवेश है, जिसके कारण आईडीबीआई डील पूरी होने पर उसे भारतीय बैंकिंग नियमों के तहत कुछ निवेशों में बदलाव करना पड़ सकता है। बैंक के ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि इस निजीकरण का उनके बैंकिंग परिचालन पर कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा। बैंक पहले की तरह ही सुचारू रूप से काम करता रहेगा और मौजूदा सेवाएं एवं योजनाएं यथावत जारी रहेंगी।

सोना 182 रुपए सुस्त, चांदी 907 रुपए नरम

सोने का भाव 1,53,650 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,43,110 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक बाजारों में महंगाई की चिंता और ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की उम्मीद बढ़ा दी है, जिसका असर सोने और चांदी पर साफ दिख रहा है। गुरुवार को दोनों कीमती धातुओं के कारोबार की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा 1,53,650 प्रति 10 ग्राम पर 113 की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। यह 1,53,581 पर खुला था। इस साल सोने ने 1,80,779 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भी दबाव में दिखा और यह 1,103 रुपए की गिरावट के साथ 2,43,110 रुपए प्रति किलोग्राम पर था। चांदी ने 2,43,292 रुपए पर कारोबार शुरू किया था। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम का सर्वोच्च स्तर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी में सुस्ती देखने को मिली। सोना 4,458.90 डॉलर प्रति औंस पर 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,448 डॉलर पर खुला था। पिछले सत्र में सोना 4,460.70 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था। इस साल कॉमेक्स पर सोने का उच्चतम स्तर 5,586.20 डॉलर प्रति औंस रहा है। चांदी भी 0.57 डॉलर की गिरावट के साथ 68.07 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी 67.94 डॉलर प्रति औंस पर खुली थी, जबकि पिछला बंद भाव 68.64 था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। बढ़ती महंगाई और ब्याज दरों की आशंका के बीच निवेशकों की नजर अब केंद्रीय बैंकों की नीतियों पर टिकी है।

सैमसंग इंडिया में छंटनी, टीवी और होम अप्लायंसेज बिजनेस पर गिरी गाज

बढ़ती लागत और घटती मांग के चलते कंपनी ने उठाया कदम

नई दिल्ली । सैमसंग इंडिया ने अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी बढ़ती लागत, कम होती मांग और संगठनात्मक पुनर्गठन के बीच खर्चों में कटौती करने के लिए यह कदम उठा रही है। छंटनी का असर डायरेक्टर, टीम लीडर और मैनेजर सहित कई स्तरों के कर्मचारियों पर पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह कटौती कई चरणों में की जा रही है और पिछले कुछ दिनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लेटर जारी किए गए हैं। कुछ कर्मचारियों से तो नोटिस पीरियड पूरा किए बिना तुरंत कार्यमुक्त होने को कहा गया है। संपर्क करने पर, सैमसंग ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। प्रभावित कर्मचारियों को तीन महीने की सैलरी और कंपनी में बिताए हर पूरे साल के लिए एक महीने की अतिरिक्त सैलरी का सेवरेंस पैकेज दिया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां कमजोर मांग और बढ़ती परिचालन लागत से जूझ रही हैं। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतें, कच्चे माल की बढ़ती लागत और भारतीय रुपये के कमजोर होने से कंपनियों पर दबाव बढ़ा है।

एप्पल ने भारत में आईफोन लाइनअप की 40 फीसदी तक बढ़ाई कीमत

बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी को जिम्मेदार बताया

-नई दिल्ली।

एप्पल ने भारत में अपने आईफोन लाइनअप की कीमतों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसकी वजह मेमोरी की बढ़ती लागत है। वहीं, कंपनी ने अपने स्मार्टफोन की नई पीढ़ी लॉन्च करने के साथ आईफोन 17 को के साथ फोल्डेबल सेगमेंट में भी प्रवेश किया है, जिसकी कीमत 2.99 लाख रुपए तय की गई है। एप्पल ने आईफोन 17 के 256जीबी वैरिएंट की कीमत को 82,900 रुपए से बढ़ाकर 99,900 रुपए कर दी है, जो कीमत में 17,000 रुपए या 20.5 फीसदी की बढ़ोतरी है।

वहीं, 512जीबी वेरिएंट की कीमत 1,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,02,900 रुपए थी। इससे कीमत में 22,000 रुपए या 21.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। आईफोन 18प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए है, जो आईफोन 17प्रो की तुलना में 22 फीसदी ज्यादा है। वहीं, आईफोन 18प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए है, जो 20 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा, सबसे बड़ी बढ़ोतरी 1टीबी वाले आईफोन एयर की कीमत में हुई है। इसकी कीमत 40.6 फीसदी बढ़कर 2,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,59,900 रुपए थी। आईफोन एयर के 256जीबी और 512जीबी वेरिएंट भी 25 प्रतिशत महंगे हो गए हैं।

इसके अलावा, आईफोन 17ई की शुरुआती कीमत अब 79,900 रुपए है, जो 23.1 फीसदी ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 128जीबी वाले आईफोन 16 की कीमत 28.6 फीसदी बढ़कर 89,900 रुपए हो गई है। भारत में एप्पल के प्रो मॉडल्स की कीमतों में हुई बढ़ोतरी कई प्रमुख बाजारों की तुलना में काफी ज्यादा है। अमेरिका में आईफोन 18प्रो और प्रो मैक्स की कीमतों में क्रमशः 9 फीसदी और 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर के मुताबिक भारत में आईफोन की कीमतें 20-30 फीसदी बढ़ी हैं, जो 8-10 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी ज्यादा है।

उन्होंने कीमतों में इस बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी और घरेलू उत्पादन की बढ़ी हुई लागत को जिम्मेदार बताया है।

उन्होंने कहा कि आईफोन डुओ पर 20 फीसदी तक का आयात शुल्क लग सकता है, क्योंकि इसका स्थानीय स्तर पर असेंबल नहीं किया जाता है। साइबर मीडिया रिसर्च के इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख ने कहा कि 2,99,900 रुपए की कीमत वाला आईफोन डुओ प्रो सीरीज से ऊपर एक अल्ट्रा-प्रीमियम श्रेणी स्थापित करता है।

उनके मुताबिक निकट अवधि में यह बड़े पैमाने पर बिक्री बढ़ाने वाले उत्पाद के बजाय मुख्य रूप से ब्रांड की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले उत्पाद के रूप में काम कर सकता है।

उन्होंने कहा कि फाइनेंसिंग विकल्प प्रो मैक्स यूजर्स को आकर्षित करने में मदद कर सकते हैं, जबकि निकट अवधि में आईफोन डुओ की शिपमेंट सीमित और सप्लाई की कमी से प्रभावित रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल फोल्डेबल स्मार्टफोन कुल स्मार्टफोन शिपमेंट का 1 फीसदी से भी कम हैं, लेकिन एप्पल के इस सेगमेंट में प्रवेश से इसके विकास को गति मिल सकती है।

जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने सीमा पार भुगतान सुविधा शुरू की

आरबीआई की मंजूरी के बाद जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने शुरू की पहल

नई दिल्ली ।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जियो पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड (जेपीएसएल) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक ग्राहकों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक सीमा पार भुगतान मंच शुरू करने की बुधवार को घोषणा की। यह सुविधा भारतीय व्यवसायों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जेपीएसएल का यह नया मंच भारतीय निर्यातकों को वर्चुअल खातों, अंतरराष्ट्रीय कार्ड और स्थानीय भुगतान माध्यमों का उपयोग कर विदेशी ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पेमेंट एग्रीगेटर फॉर क्रॉस बॉर्डर (पीए-सीबी) के रूप में काम करने की मंजूरी मिलने के बाद यह पहल शुरू की गई है, जो निर्यात और भविष्य में आयात दोनों लेनदेन को कवर करेगी। जेपीएसएल ने बताया कि ऑनलाइन विक्रेता, डिजिटल कारोबारी और स्वतंत्र पेशेवर जैसे कई भारतीय व्यवसाय वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया अक्सर जटिल और बिखरी हुई होती है।

इसमें कई भागीदार, अलग-अलग मुद्राएं और अधिक कागजी कार्रवाई शामिल होती है। कंपनी के अनुसार, यह नया मंच इन जटिलताओं को दूर करेगा, वैश्विक भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाएगा, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और कारोबारियों को उनके वैश्विक ग्राहकों को स्थानीय भुगतान विकल्प प्रदान करने में मदद करेगा।

अफ्रीका में चीनी ई-वाहन क्रांति- आयात बढ़ा, क्षेत्रीय अंतर स्पष्ट

- पूर्वी व मध्य अफ्रीका में स्थानीय असेंबली व वाणिज्यिक वाहनों पर जोर

नैरोबी ।

2026 की पहली छमाही में अफ्रीका में चीन से इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहनों के आयात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। यह महाद्वीप में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की प्रक्रिया में मौजूद गहरे क्षेत्रीय अंतर को उजागर करता है, जो ईंधन खपत और वायु प्रदूषण घटाने के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तरी अफ्रीकी देशों (मोरक्को, मिस्र, अल्जीरिया) की अगुवाई में चीन से दोपहिया और तिपहिया वाहनों का आयात 60त्न बढ़कर 11.46 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। यह क्षेत्र तैयार चीनी इलेक्ट्रिक स्कूटरों का प्रमुख बाजार बन गया है, जिन्हें उपभोक्ता आवागमन हेतु खरीदते हैं। मोरक्को ने सर्वाधिक 2.17 करोड़ अमेरिकी डॉलर की 80,188 इकाइयों का आयात किया। इसके विपरीत पूर्वी एवं मध्य अफ्रीका में ईवी स्टार्टअप कंपनियों में निवेश केंद्रित है, जो स्थानीय असेंबली, बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क और वाणिज्यिक मोटरसाइकिल परिवेश तैयार कर रही हैं। विशेषज्ञ पीटर कोसाकोव्स्की के अनुसार, इस क्षेत्र में मोटरसाइकिलें मुख्यतः व्यावसायिक वाहनों के रूप में उपयोग होती हैं, जो यात्रियों व सामान को ढोती हैं। स्पाइरो जैसी कंपनियों ने बड़ा निवेश जुटाया है, लेकिन यहां उद्योग अभी भी आयातित कलपुर्जों की असेंबली पर निर्भर है; मोटर, नियंत्रक और बैटरी सेल जैसे प्रमुख घटक अब भी बाहर से आते हैं। उप-सहारा अफ्रीका में, दक्षिण अफ्रीका ने 69 लाख डॉलर की 19,635 इलेक्ट्रिक बाइक आयात की।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 138, निफ्टी 46 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में तीन कारोबारी सत्र के बाद आई ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन करोबारी सत्र से जारी गिरावट पर भी ब्रेक लग गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक बढ़कर 74,902.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46 अंक बढ़कर 23,477.80 पर बंद हुआ।

आज बाजार में मिली-जुली धारणा लिए रहा, जहां लगभग 1,802 शेयरों में तेजी देखी गई, वहीं 2,224 शेयरों में गिरावट दर्ज हुई और 135 शेयरों में कोई खास बदलाव नहीं आया। दिन की शुरुआत में, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला। दिन के कारोबार में इसने 74,910.96 का उच्चतम स्तर भी छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,431.50 से 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला, जो बाजार में शुरुआती आशावाद को दर्शाता है। निफ्टी ने दिन के कारोबार में 23,494.95 का उच्चतम स्तर देखा।वहीं व्यापक बाजारों का प्रदर्शन हालांकि उतना मजबूत नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में भी 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया और बढ़त दर्ज की। इसके विपरीत, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में गिरावट का रुख रहा, जिससे पता चलता है कि यह उछाल कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहा।प्रमुख निफ्टी 50 इंडेक्स के भीतर, एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील जैसे शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जो बाजार में कुछ बड़ी कंपनियों पर दबाव को दर्शाता है। वहीं, एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में निवेशकों ने सबसे अधिक खरीदारी की, जिससे इन कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

सेबी ने कृषि जिंस वायदा कारोबार के नियम सरल बनाए

अधिकतम सौदों की सीमा में संशोधन और उल्लंघन पर जुर्माने की ऊपरी सीमा तय

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कृषि जिंस वायदा कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से ग्राहकों के लिए सौदों की अधिकतम सीमा में संशोधन किया है। इसके साथ ही, नियामक ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की अधिकतम सीमा भी तय कर दी है। यह कदम बाजार में कारोबार को बढ़ावा देने और पुरानी बाजार परिस्थितियों के आधार पर तय की गई 2017 की सीमाओं की समीक्षा के बाद उठाया गया है। नए नियमों के तहत, व्यापक जिंसों के लिए ग्राहकों के स्तर पर सौदों की अधिकतम सीमा डिलिवरी योग्य आपूर्ति मात्रा का दो प्रतिशत होगी। वहीं, सीमित जिंसों के लिए यह एक प्रतिशत और संवेदनशील जिंसों के लिए 0.5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। सेबी ने व्यापक जिंस की परिभाषा भी संशोधित की है, जिसके अनुसार अब वह जिंस जो संवेदनशील न हो और जिसकी औसत डिलिवरी योग्य आपूर्ति पिछले पांच वर्षों में कम से कम 10 लाख टन या 5,000 करोड़ रुपए मूल्य की रही हो, व्यापक मानी जाएगी। नियामक ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की गणना के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। अब यह जुर्माना उल्लंघन की अतिरिक्त सीमा और उल्लंघन जारी रहने के दिनों की संख्या के आधार पर तय होगा। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा तय कर दी गई है, जैसे दो प्रतिशत से अधिक के उल्लंघन पर अधिकतम दो लाख रुपये और दो प्रतिशत तक के उल्लंघन पर अधिकतम 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। सदस्यों को अगले कारोबारी दिन तक अतिरिक्त सीमा को निर्धारित दायरे में लाना होगा, अन्यथा शेयर बाजार बिना सूचना के अतिरिक्त सौदे समाप्त कर सकता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गरुवार को 51 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.59 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर की लगातार मांग का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 34 पैसे टूटकर 95.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 98.72 पर रहा।

रेलवे का मेगा विस्तार- 9 राज्यों में 20,804 करोड़ की 8 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

दक्षिणी, पूर्वी और मध्य भारत में लगभग 1200 किलोमीटर नए ट्रैक जुड़ेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के 9 राज्यों में फैली 8 महत्वपूर्ण रेल मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अनुमानित 20,804 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य भारतीय रेलवे के अत्यधिक व्यस्त नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और माल ढुलाई को गति देना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की। इन परियोजनाओं में विभिन्न राज्यों में तीसरी और चौथी लाइनें बिछाने के साथ-साथ दोहरीकरण का कार्य भी शामिल है। दक्षिणी भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के 17 जिलों में अराक्कोणम - रेनीगुंटा तीसरी और चौथी लाइन, बंगारपेट तीसरी और चौथी लाइन, होसुर - ओमालूर ट्रैक का दोहरीकरण, सेलम - करूर - डिंडिगुल दोहरीकरण और सिकंदराबाद (घाटकेसर) - काजीपेट मल्टी-ट्रैकिंग जैसी 5 परियोजनाएं भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग 540 किलोमीटर का इजाफा करेंगी। इसी तरह, पूर्वी और पूर्वी मध्य इलाकों में पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में खड़गपुर - झारसुगुड़ा (बागडेही) चौथी लाइन, कटनी - पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर) - पेंड्रा रोड तीसरी लाइन जैसी परियोजनाएं लगभग 656 किलोमीटर का अतिरिक्त ट्रैक जोड़ेंगी। कुल मिलाकर, ये पहल भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 1200 किलोमीटर से अधिक की वृद्धि करेंगी। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार की योजना भीड़भाड़ वाले रेल नेटवर्क में कम से कम 4 लाइनें बनाने की है, और ये परियोजनाएं उसी दिशा में एक कदम हैं। इन परियोजनाओं से 9 राज्यों के लगभग 1 करोड़ लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, प्रमुख महानगरों में भीड़ कम होगी और 7.4 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई की उम्मीद है, जिससे देश की आर्थिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

मध्य प्रदेश में निवेश की बहार- दुबई से 53,000 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

ग्रीन हाइड्रोजन, एआइ, सौर ऊर्जा, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में बड़े समूह करेंगे निवेश

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की दुबई यात्रा राज्य के लिए बड़ी आर्थिक सफलता लेकर आई है। उनकी वैश्विक निवेशकों से हुई वन-टू-वन बैठकों के परिणामस्वरूप 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर विशेष जोर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की हालिया दुबई यात्रा के दौरान विभिन्न वैश्विक निवेशकों और औद्योगिक समूहों के साथ हुई बैठकों से मध्य प्रदेश को 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों में ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ई-मोबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और रियल एस्टेट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा प्रस्ताव राणा होल्डिंग्स लिमिटेड की ओर से आया है, जिसमें करीब 35,200 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। इसमें 2,000 मेगावॉट का सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो, 200 मेगावॉट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र, 50 मेगावॉट क्षमता का एआइ एवं कंप्यूट डेटा सेंटर (जिसे 200 मेगावॉट तक विस्तारित किया जा सकेगा), 30,000 एमटीपीए क्षमता का क्रिटिकल मिनरल्स रिकवरी कॉम्प्लेक्स तथा एकीकृत स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करने की योजना है। इसी तरह एनआईडीआई सर्विसेज डीएमसीसी/एससीएनईएलएल के निवेशकों ने औद्योगिक स्तर के एआई कंप्यूट कैंपस और सॉवरेन एआई फैक्ट्री परियोजना में 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना पेश की है, जिसे भविष्य में 100 मेगावॉट से अधिक तक बढ़ाया जा सकेगा। अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में क्रेसेंट ग्रुप के साथ नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स; प्योर हेल्थ के साथ मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल और डिजिटल हेल्थ; शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और पर्यटन; चोइथराम समूह के साथ खाद्य प्रसंस्करण तथा डीपी वर्ल्ड के साथ पवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कॉम्पोजिट हब पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश- इंटरैक्टिव सेशन के दौरान निवेशकों को राज्य के अनुकूल औद्योगिक वातावरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि उद्योगों के विकास के लिए 2,700 से अधिक नियम और लगभग 900 कानूनों को समाप्त कर प्रक्रिया सरल की गई है।

एसआईपी में रिकॉर्ड उछाल, निवेशकों का दीर्घकालिक भरोसा बढ़ा

बाजार उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 26 में एसआईपी ने छुआ नया मुकाम

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में जारी उठा-पटक और एसआईपी खाते बंद होने की बढ़ती संख्या के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश ने रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह आंकड़ा पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है और भारतीय खुदरा निवेशकों के मजबूत दीर्घकालिक निवेश नजरिए को दर्शाता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के सकल एसआईपी निवेश का 56 प्रतिशत हिस्सा शुद्ध निवेश रहा, जो वित्त वर्ष 2025 के 54 प्रतिशत से अधिक है। शुद्ध एसआईपी निवेश का अर्थ सकल निवेश में से एसआईपी खातों से निकाली गई राशि (निवेश निकासी) को घटाने के बाद बची रकम है। रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2026 में एसआईपी खातों से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई, जो वित्त वर्ष 2025 के 1.3 लाख करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह वृद्धि पिछले तीन सालों में सबसे धीमी रही। वित्त वर्ष 2024 में निकासी में 57 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इससे भी महत्वपूर्ण, वित्त वर्ष 2026 में निकासी की वृद्धि दर सकल निवेश की 21 प्रतिशत वृद्धि से काफी कम थी। म्युचुअल फंड अधिकारियों का मानना है कि शुद्ध एसआईपी निवेश में यह बढ़ोतरी खुदरा निवेशकों में लंबी अवधि के लिए निवेश करने की सोच के लगातार बढ़ने का परिणाम है। यह रुझान बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशकों के परिपक्व व्यवहार को रेखांकित करता है।

त्योहारी सीजन से पहले स्मार्टफोन महंगे

- भारत में कीमतों में रिकॉर्ड 21 फीसदी की उछाल, बिक्री 45 फीसदी गिरी

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले नया स्मार्टफोन खरीदने की सोच रहे उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 में भारत में स्मार्टफोन की औसत खुदरा कीमतों में 21 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जो दुनिया के किसी भी बड़े बाजार में सबसे तेज उछाल है। वैश्विक स्तर पर औसत कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन भारत में यह आंकड़ा कहीं अधिक है, जिससे सीधे भारतीय ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। स्मार्टफोन की कीमतों में इस भारी वृद्धि के पीछे मुख्य कारण उसमें लगने वाली मेमोरी (डीआरएएम और एनएएनडी चिप) की बढ़ती लागत है। सितंबर 2025 के बाद से इन चिप्स की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। दरअसल, दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी मांग के कारण सेमीकंडक्टर निर्माता अपनी उत्पादन क्षमता को एआई सर्वरों में उपयोग होने वाली हाई-बैंडविड्थ मेमोरी के निर्माण पर केंद्रित कर रहे हैं, जिससे स्मार्टफोन में लगने वाली पारंपरिक मेमोरी की आपूर्ति घट गई है। भारतीय बाजार का 51 फीसदी से अधिक हिस्सा 20,000 रुपये से कम कीमत वाले लो और मिड-रेंज फोनों का है। चूंकि बजट फोन में कंपनियों का मार्जिन न के बराबर होता है, इसलिए उत्पादन लागत का पूरा बोझ सीधे भारतीय ग्राहकों पर डाल दिया गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी देशों में जहां प्रीमियम फोन अधिक बिकते हैं और कंपनियों के पास बेहतर मार्जिन होता है, वहां वे अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा खुद वहन कर लेती हैं। इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर बिक्री पर पड़ा है। जून तिमाही में 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 45 फीसदी की भारी गिरावट आई है। कंपनियों ने कीमतें थामने के लिए कई फोनों के मेमोरी कॉन्फ़िगरेशन तक घटा दिए हैं, और 2026 में लॉन्च हुए नए मॉडल्स पिछले साल के मुकाबले 25 फीसदी तक महंगे हो चुके हैं।

हालिया टकराव के बाद ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना-सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से दुनिया को यह संदेश देते रहे हैं कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।' अब यही संदेश उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कसौटी बन गया है। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, दूसरी ओर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने खाड़ी देशों को भी सीधे संकट में डाल दिया है। ऐसे समय में दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी बनने जा रहा है। ब्रिक्स में रूस, चीन, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर विरोधी हितों वाले देश एक साथ मौजूद होंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए। भारत और रूस के दशकों पुराने मजबूत रिश्तों के बीच मोदी का यह संदेश काफी महत्वपूर्ण है। अब ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी के पास एक और मौका होगा कि वह रूस के साथ अपनी दोस्ती कायम रखते हुए पुतिन को बातचीत और शांति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

हम आपको यह भी बता दें कि इस दिशा में भारत केवल रूस से बात नहीं कर रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल में कीव गए और यूक्रेनी नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और युद्ध को समाप्त करने में उपयोगी विचारों पर काम करने के लिए तैयार है। यानी मोदी सरकार की रणनीति किसी एक पक्ष को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर शांति की गुंजाइश बचाए रखने की है।

वहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं। जुलाई में भी ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कार्रवाई जारी रखी।

यहीं मोदी की कूटनीति की असली परीक्षा सामने आती है। युद्ध के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बातचीत की थी और साफ कहा था कि भारत सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति से चाहता है। साथ ही उन्होंने ऊर्जा और व्यापार के निर्बाध आवागमन तथा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया। दूसरी ओर उन्होंने यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत कर उनके खिलाफ हुए हमलों की निंदा भी की थी। बहरीन के मामले में प्रधानमंत्री ने सीधे कहा था कि भारत हमलों की निंदा करता है और वहां के लोगों के साथ खड़ा है; सऊदी अरब और यूएई के संदर्भ में भी उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया था।

यही संतुलन मोदी की विदेश नीति की ताकत है। ईरान से संबंध भी चाहिए और खाड़ी अरब देशों का भरोसा भी; रूस से रणनीतिक साझेदारी भी बचानी है और पश्चिम से आर्थिक-तकनीकी रिश्ते भी मजबूत करने हैं। भारत के लिए यह केवल प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। पश्चिम एशिया में करोड़ों भारतीयों के हित, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इससे जुड़ी है। मोदी ने ईरान से बातचीत में भी इसी व्यावहारिक प्राथमिकता को सामने रखा है।

साथ ही इस पूरे समीकरण में चीन को अलग करके देखना भी संभव नहीं है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात वर्ष बाद हो रही है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में सावधानी के साथ सुधार की कोशिश दिखाई दे रही है। सीमा पर तनाव कम करना, आर्थिक रिश्तों को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद बनाए रखना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जरूरी है। इसलिए दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन मोदी के लिए केवल शिखर सम्मेलन नहीं, बल्कि कूटनीतिक संतुलन का मंच है। एक ही मेज पर पुतिन, शी, पेजेश्कियान, सऊदी और यूएई नेतृत्व के बीच भारत यह दिखा सकता है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ किसी खेमे से दूरी नहीं, बल्कि सभी से अपने हितों के आधार पर संवाद करने की क्षमता है।

देखा जाये तो दुनिया आज अलग-अलग खेमों में बंटी हुई है। ऐसे समय में मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय सभी से संवाद बनाए रखता है। रूस से युद्ध खत्म करने की अपील हो, यूक्रेन से बातचीत, ईरान से संपर्क, खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते, पश्चिम के साथ साझेदारी या चीन से संवाद, भारत हर मोर्चे पर अपने हितों को साधते हुए रिश्ते आगे बढ़ा रहा है। यही संतुलित कूटनीति भारत को इस उथल-पुथल भरी दुनिया में अपनी स्वतंत्र और मजबूत जगह बनाने में मदद कर रही है।

संपादकीय

एआई का स्याह सच

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है।

दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्त्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शाछा एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्त्रेतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेर्शानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

दुबई में बजा 'मोहन' का डंका, एमपी में संभावनाएँ अपार, निवेश की बहार

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम कॉंग्रेस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलेगा।

मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है।राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टैक्स छूट, तेज मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है। दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रुऔर रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पूँजी निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई।वैश्विक लॉजिस्टिक्स दिग्गज डीपी वर्ड नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय चर्चा में पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स, कोल्ड-चेन और वेयरहाउसिंग सुविधाओं के साथ एक प्रमुख इनलैंड लॉजिस्टिक्स प्रवेश द्वार बनाने पर सहमति बनी। इससे प्रदेश के कृषि उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को खाड़ी देशों सहित वैश्विक बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा। , बीआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया।मोहन सरकार के मजबूत प्रयासों से राज्य में ओडीओपी उत्पादों की जबरदस्त ब्रांडिंग हो रही है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स और एक्सपोर्ट हब्स से भी जोड़ा जा रहा है। ताज दुबई में आयोजित विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार खुलेंगे। दुबई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढांचे के विकास की विस्तृत जानकारी दी। मध्य प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों जैसे खजुराहो, सांची और मांडू को दुबई के पर्यटकों के लिए प्रचारित किया गया।इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतिगत सहूलियतों को रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त, बिआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौरे में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है।यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौरे के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा।दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है। डॉ.मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का दुबई दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

आतंकवाद बोया पाकिस्तान ने, अब सिंधु का पानी भी भूलना होगा

कांतिलाल मांडोत

भारत का सिंधु जल पर बढ़ता अधिकार पाकिस्तान के लिए उसके अपने किए की सजा...

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आतंकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है।

लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मर्यादाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं। उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरूआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। यानी भारत अब सिंधु नदी को केवल सीमा पार बह जाने वाली नदी के रूप में देखने के बजाय अपने किसानों, अपने गांवों और अपने सीमावर्ती क्षेत्रों की जल जरूरतों से जोड़कर देख रहा है।

लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। खेती का मौसम सीमित है और बुवाई के समय पानी की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में चेक डैम जैसी छोटी लेकिन प्रभावी जल संरचनाएं स्थानीय स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकती हैं। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है।

पाकिस्तान के लिए परेशानी यहीं से शुरू होती है। दशकों से पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली पर अपनी कृषि और जल व्यवस्था को खड़ा किया है। उसकी बड़ी आबादी की आजीविका खेती से जुड़ी है और सिंधु नदी तथा उसकी सहायक नदियां उसके लिए जीवनरेखा जैसी हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने और आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय बार-बार वही रास्ता चुना, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को गहरा किया।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई ऐसा विषय नहीं है जिसे आतंकवाद से अलग करके देखा जा सकता है। जब एक देश लगातार दूसरे देश के नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों को रोकने में विफल रहता है, तो वह द्विपक्षीय संबंधों की बुनियादी जमीन को स्वयं कमजोर करता है। भारत ने वर्षों तक संधि का सम्मान किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को निभाया। लेकिन जब आतंकवाद लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बनता रहा और पहलगाम जैसी घटना ने देश को झकझोर दिया, तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध एक साथ नहीं चल सकते।

भारत का सिंधु जल संधि को स्थगित करना इसी व्यापक नीति का हिस्सा है। इसका संदेश साफ है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने की उम्मीद एक साथ नहीं की जा सकती। पाकिस्तान यदि भारत के खिलाफ आतंक का रास्ता चुनता है तो उसे उसके राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक परिणामों के लिए भी तैयार रहना होगा।

अब लद्दाख में सिंधु नदी पर बन रहे चेक डैम पाकिस्तान के लिए एक और संदेश लेकर आए हैं। भारत केवल बयान नहीं दे रहा, बल्कि अपनी जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जमीन पर योजनाएं तैयार कर रहा है। आने वाले समय में यदि सिंधु नदी के पानी के बेहतर उपयोग की और योजनाएं बनती हैं तो पाकिस्तान के लिए यह समझना मुश्किल नहीं होगा कि पुराने दौर की परिस्थितियां वापस नहीं आने वालीं। पाकिस्तान की सरकार आज यदि अपने लोगों के सामने पानी की समस्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करती है तो यह आधा सच होगा। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में पहुंचाया किसने। भारत ने तो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। पहलगाम का आतंकी हमला किसने किया, आतंकियों को किस तरह का समर्थन मिलता रहा, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान ने कितनी ईमानदार कार्रवाई की और दोनों देशों के संबंधों को किसने लगातार खराब किया, इन सवालों से पाकिस्तान की सरकार और उसकी व्यवस्था बच नहीं सकती।

करोड़ों पाकिस्तानी नागरिकों के सामने पानी की चुनौती खड़ी होती है तो इसका दोष केवल भारत पर डाल देना आसान राजनीतिक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह जनता को सच्चाई से दूर रखने जैसा होगा। पाकिस्तान की आवाम को यह सवाल अपनी सरकार से पूछना चाहिए कि भारत के साथ दुश्मनी और आतंकवाद की नीति ने देश को क्या दिया। आर्थिक संकट से जूझता पाकिस्तान पहले ही अनेक मोर्चों पर परेशान है। ऐसे में पानी जैसी मूलभूत जरूरत से जुड़ा संकट उसके लिए और गंभीर चुनौती बन सकता है।

भारत के लिए यह अवसर केवल पाकिस्तान पर दबाव बनाने का नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास का भी है। लद्दाख में जल संरक्षण की योजनाएं वहां के किसानों और स्थानीय आबादी के लिए राहत लेकर आ सकती हैं। सिंधु का पानी यदि स्थानीय जरूरतों के लिए संरक्षित किया जाता है तो इससे खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। सीमा से लगे क्षेत्रों में विकास अपने आप में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। यह भी समझना जरूरी है कि पानी का इस्तेमाल केवल राजनीतिक हथियार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधन के रूप में होना चाहिए। भारत को अंतरराष्ट्रीय दायित्वों और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए अपने जल संसाधनों का अधिकतम वैध और वैज्ञानिक उपयोग करना चाहिए। सिंधु नदी पर चेक डैम जैसी परियोजनाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम बन सकती हैं।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के सहारे भारत को दबाव में लाने का दौर समाप्त हो चुका है। भारत न तो आतंकवादी हमलों को सामान्य घटना मानने के लिए तैयार है और न ही अपनी सुरक्षा तथा संसाधनों के सवाल पर पुरानी मानसिकता में रहने वाला है। यदि पाकिस्तान को अपने लोगों के लिए पानी चाहिए तो सबसे पहले उसे भारत के खिलाफ आतंकवाद की नीति पर पुनर्विचार करना होगा।

सिंधु नदी सदियों से बह रही है और आगे भी बहती रहेगी। लेकिन उसके पानी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जो व्यवस्था बनी थी, वह आपसी विश्वास और शांतिपूर्ण संबंधों की भावना पर टिकी थी। जब विश्वास ही लगातार तोड़ा गया तो उस व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक था। पहलगाम के बाद भारत ने इसी संदेश को स्पष्ट किया है।

अब पाकिस्तान के लिए बेहतर यही होगा कि वह सिंधु जल को लेकर भारत को कोसने के बजाय अपने गिरेबान में झांके। जिस आतंकवाद को उसने वर्षों तक भारत के खिलाफ नीति का हिस्सा बनाए रखा, उसी ने आज उसके सामने अनेक संकट खड़े कर दिए हैं। भारत ने अपने पानी को बचाने और उसका अपने लोगों के हित में उपयोग करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उपशी का चेक डैम इसी बदलते युग की पहली झलक है।

संक्षिप्त समाचार

आपदा में मकान, सड़कें और पुल बह गए, भारत-चीन कर रहे मदद; बेली ब्रिज भेजे गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में पुलों और सड़कों को फिर से बनाने की कोशिश में जुटा है, और भारत और चीन से मदद मांगी है। पड़ोसी देशों ने अस्थायी पुल मुहैया कराने के नेपाल के आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आपदा में उत्तरी और मध्य नेपाल में मकान, वाहन, सड़कें और पुल बह गए थे। रसुवा और चितवन के बीच 63 पुल में 41 पुल नष्ट हो गए और चार अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। काठमांडो पोस्ट की खबर के अनुसार, चीन मुस्तांग में कोरला सीमा चौकी पर दो बेली ब्रिज पहले ही भेज चुका है। भारत ने भी नेपाल को बेली ब्रिज उपलब्ध कराने की पेशकश की है। काठमांडो के एक बौद्ध मठ में बने राहत शिविर में इन दिनों 520 ऐसे बेघर लोगों ने शरण ले रखी है जिन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया है। शिविर में एक कोने में बैठे 12 वर्ष के मासूम त्सेरिंग की आंखें लगातार इटली पर टिकी हैं। उसे भरोसा है कि उसके माता-पिता जल्द लौट आएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। नेपाल में जल प्रलय के बाद अब उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मंगलवार रात 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमानथांग में था। इससे कोई हताहत नहीं है।

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्ध: ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब; स्टील समेत क्या सामान महंगे होंगे

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा के बीच ट्रेड वार अब चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के रिश्ते तल्ख होने के बीच कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है। कनाडाई सरकार ने कहा कि जवाबी टैरिफ 22 अगस्त से 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में उठाए गए हैं। जवाबी टैरिफ से स्टील, एल्युमीनियम, डेयरी उत्पाद (जैसे पनीर), घरेलू और कृषि उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पल्प-पेपर जैसे प्रमुख अमेरिकी उद्योग प्रभावित होंगे। पिछले माह वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच महीनों चली व्यापार वार्ता अचानक टूट गई। कनाडा ने आरोप लगाया कि अमेरिकी वार्ताकारों ने अंतिम समय में अनुचित शर्तें थोप दी थीं। ट्रंप ने कनाडा की करेंसी और अमेरिका के साथ उसके मुद्रा असंतुलन को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और ज्यादा गहरा गया है।

ट्रंप ने पुतिन को मिलाया फोन: यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई बात, यूरोप को लेकर क्या बोले रूसी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और कहा कि वह यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करना चाहते हैं। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन ने पुतिन ने ट्रंप के इस रुख का समर्थन किया। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि युद्ध समाप्त होने से अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह सामान्य करने की राह खुलेगी। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन और ट्रंप के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की हालिया मास्को और कीव की यात्रा के बाद हुई। दोनों दूत युद्ध खत्म करने के लिए रुकी हुई बातचीत को फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की कोशिशों को सकारात्मक माना। पुतिन ने ट्रंप को बताया कि युद्ध खत्म करने में अमेरिका क्या भूमिका निभा सकता है और उन्हें मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी भी दी। उशाकोव के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि उनके मौजूदा कार्यकाल में ही युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिले। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने से दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी बड़ा फायदा होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की यूरोप के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस से खतरे की बातें यूरोपीय देशों को यूक्रेन का समर्थन बढ़ाने और सैन्य खर्च बढ़ाने का बहाना देती हैं। रूस अपने सैन्य लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयरः फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी, कब-कब चुराई गई करोड़ों की कलाकृतियां

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के कैग्नेस-सुर-मेर शहर के मेयर ने मंगलवार को बताया कि चोरों ने फ्रेंच रिवेरा स्थित रेनॉयर म्यूजियम में सेंध लगाकर फ्रांसीसी इंप्रेशनिस्ट मास्टर ऑगस्टे रेनॉयर की चार कीमती कलाकृतियां चुरा लीं। हालांकि, भागते समय चोर दो पेंटिंग म्यूजियम के बगीचे में ही छोड़ गए। म्यूजियम में रेनॉयर की कुल 12 कलाकृतियां थीं। चोरी हुई दो पेंटिंग हैं 'पोर्टेट ऑफ़ मैडम कोलोना रोमानो' और 'यंग वुमन एट द वेल' हैं। पुलिस फिलहाल चोरी को अंजाम देने वालों की तलाश में जुटी है। इस घटना के बीच आइए, दुनिया में हुई कला की कुछ दूसरी चर्चित और बड़ी चोरियों पर एक नजर डालते हैं।

इटली के म्यूजियम से रेनॉयर, सेजान और मैटिस की पेंटिंग चोरी : मार्च में चोर उत्तरी इटली के पार्मा शहर के पास स्थित एक निजी म्यूजियम, मैग्नानी रोक्का फ़ाउंडेशन से फ्रांसीसी कला जगत के तीन दिग्गजों की पेंटिंग चुराकर फरार हो गए। चोरी हुई तीन पेंटिंग में ऑगस्टे रेनॉयर की 'फिश', पॉल सेजान की 'स्टिल लाइफ़ विद चेरीज' और हेनरी मैटिस की 'ओडालिस्क ऑन द टेरेस' शामिल थीं। आकार में भले ही ये कलाकृतियां छोटी मानी जाती थीं, लेकिन इनकी कीमत लाखों यूरो आंकी गई थी।

कुछ महीनों बाद बरामद हुई तीनों कलाकृतियां : अगस्त में इटली की कैराबिनियरी यानी पुलिस बल की आर्ट रिकवरी स्क्वाड ने तीनों पेंटिंग बरामद कर लीं। चोरी के सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया।

लूव्र में दिनदहाड़े चोरी, नेपोलियन काल के शाही गहने ले गए चोर : अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय लूव्र को निशाना बनाया, जब म्यूजियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूजियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्प्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडेम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी।

ज्यादातर गहने अब भी गायब : चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आखिरकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके। केवल महारानी यूजीनी का हीरे और पन्ने जड़ा ताज ही म्यूजियम के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में मिला। माना गया कि भागते समय चोरों से यह ताज गिर गया था। इस चोरी के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूज़ियमों में शामिल लूव्र ने अपने निदेशक को बदल दिया और सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया।

मोना लिसा की चोरी ने बढ़ाई पेंटिंग की शोहरत : लूव्र में चोरी और डकैती की कोशिशों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी सबसे मशहूर घटना 1911 में हुई, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' अपने फ्रेम से गायब हो गई थी। इसे म्यूजियम के पूर्व कर्मचारी विन्सेन्ज़ो पेरुगिया ने चुराया था। वह म्यूज़ियम के अंदर छिपा रहा और बाद में अपने कोट के नीचे पेंटिंग छिपाकर बाहर निकल गया।

दो साल बाद फ्लोरेंस में मिली मोना लिसा : चोरी के करीब दो साल बाद 'मोना लिसा' को इटली के फ्लोरेंस में बरामद किया गया। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची की इस पेंटिंग को दुनिया की सबसे चर्चित और मशहूर कलाकृतियों में शामिल करने में बड़ी भूमिका निभाई।

बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूज़ियम की चोरी आज भी रहस्य : इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी कला चोरियों में से एक माना जाता है। हालांकि, 35 साल बीत जाने के बाद भी बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम से चोरी हुई 13 कलाकृतियों का मामला अब तक अनसुलझा है।

पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूजियम में घुसे थे चोर : 18 मार्च 1990 की सुबह दो लोग बोस्टन पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूज़ियम में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि वे एक कॉल का जवाब देने आए हैं। म्यूजियम के अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने दो सुरक्षा गार्डों को काबू में कर लिया और उन्हें डक्ट टेप से बांध दिया। इसके बाद करीब 81 मिनट तक उन्होंने म्यूज़ियम से 13 कलाकृतियां चुरा लीं। चोरी हुई कलाकृतियों में रेम्ब्रांट, वर्मीर, डेगास और मैनेट जैसे महान कलाकारों की बेशकीमती कृतियां शामिल थीं। अधिकारियों का कहना है कि चोरी हुई इन कलाकृतियों की कीमत करीब आधा बिलियन डॉलर तक हो सकती है। हालांकि, म्यूज़ियम अधिकारियों के मुताबिक इनका असली मूल्य सिर्फ पैसों में नहीं आंका जा सकता, क्योंकि इनकी जगह दूसरी कलाकृतियां नहीं रखी जा सकतीं। कुछ कलाकृतियों को उनके फ्रेम से काटकर निकाला गया था। इनमें रेम्ब्रांट की मशहूर पेंटिंग 'स्टॉर्म ऑन द सी ऑफ़ गैलिली' भी शामिल थी।

अमेरिका ने ईरान के पांच तेल टैंकर उड़ाएः जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दागीं मिसाइलें; क्या फिर बढ़ेगा तनाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी।

अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज डेर्या स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है।

ईरान ने अमेरिका को कैसे दिया जवाब : अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी सहयोगी है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है। इतना ही

नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है।

हालातः ट्रंप ने 10 घंटे तक एआई तस्वीरों की बौछार की; ईरान की तबाही और अरबों कमाने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अगर तस्वीरों में किसी देश, जलडमरूमध्य, झील और यहां तक कि चांद पर भी अमेरिका का दावा किया जा सकता है तो ट्रंप की एआई दुनिया में ऐसा ही हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर करीब 10 घंटे तक दर्जनों एआई-निर्मित तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें होर्मुज जलडमरूमध्य को नया अमेरिकी क्षेत्र, चांद को हमारा और लेक ओंटारियो को लेक अमेरिका दिखाया गया। इन तस्वीरों के बीच ट्रंप ने ईरान को तबाह होता दिखाया और खुद को अमेरिका के सुपरहीरो के रूप में पेश किया। इसी दौरान उन्होंने यह दावा भी किया कि शेयरों और अन्य होल्डिंग्स से उन्होंने अमेरिका के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। इस दावे के समर्थन में हालांकि कोई विस्तृत आंकड़ा या प्रमाण नहीं दिया गया।

ट्रंप ने एक एआई तस्वीर में खुद को व्हाइट हाउस में कई स्क्रीन के सामने शेयर बाजार पर नजर रखते दिखाया। तस्वीर पर संदेश था कि वह यह काम अपने लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए करते हैं और शेयरों तथा दूसरी होल्डिंग्स से देश के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। ट्रंप की यह पोस्ट ऐसे समय हुई है जब उनकी सोशल मीडिया कंपनी ट्रंप मीडिया की ट्रुथ एपीआई सेवा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जुलाई में अमेरिकी सीनेटरों ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से इस सेवा की जांच करने का आग्रह किया था।ट्रंप की पोस्ट का बड़ा हिस्सा ईरान पर केंद्रित रहा। एक तस्वीर में वह युद्धपोत के डेक से कई विस्फोटों को देखते नजर आए, जबकि दूसरी में अमेरिकी झंडे की थीम वाले हथौड़े से ईरान के नक्शे पर वार करते दिखे। एक अन्य तस्वीर में खार्ग द्वीप पर उड़ता लड़ाकू विमान दिखाया गया, जिस पर लिखा था 'बाय बाय, खार्ग।'ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर भी ट्रंप ने कई चार्ट साझा किए। ट्रंप ने एआई तस्वीरों के जरिए अपनी राजनीतिक छवि को भी नए अंदाज में पेश किया। कुछ तस्वीरों में वह भविष्य के रोबोटों से घिरे नेता के रूप में दिखे, पीछे अमेरिकी कैपिटल था।

बेंजामिन नेतन्याहू का 24 घंटे का यूएन दौराः ममदानी ने की थी गिरफ्तारी की मांग, फिर क्यों जा रहे न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र राजदूत डैनी डैनन ने मंगलवार को बताया कि नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। 24 सितंबर की दोपहर वह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल लौट जाएंगे। डैनन ने कहा कि मौजूदा हालात में प्रधानमंत्री का वहां आना जरूरी है और उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ममदानी ने नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग क्यों की : न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर ममदानी ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। बाद में उन्हें यह मांग वापस लेनी पड़ी, क्योंकि न्यूयॉर्क शहर के पास नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का

कानूनी अधिकार नहीं है। ममदानी ने नवंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय यानी आईसीसी की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया था। इस्राइल के राजदूत डैनन ने ममदानी के बयान पर नाराजगी जताई। इस्राइल को निशाना बनाकर राजनीति करना अब आसान तरीका बन गया है। डैनन ने कहा, 'हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री आएं। आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट में नेतन्याहू पर क्या आरोप हैं अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नवंबर 2024 में नेतन्याहू और एक अन्य इस्राइली अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि नेतन्याहू पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई का आधार है। वारंट में कहा गया कि गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान मानवीय सहायता रोककर 'भूख को युद्ध के हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

क्या न्यूयॉर्क पहुंचते ही नेतन्याहू गिरफ्तार हो सकते हैं : न्यूयॉर्क शहर के पास आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि ममदानी ने अमेरिकी संघीय सरकार से नेतन्याहू के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। अमेरिका और इस्राइल दोनों आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। वहीं ट्रंप प्रशासन ने आईसीसी के कर्मचारियों पर कई प्रतिबंध लगाए हैं और इस न्यायालय को खत्म करने की कोशिश की है।

इस दौरे से जुड़ी सात अहम बातें क्या हैं : दौरा करीब 24 घंटे का होगाः नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और 24 सितंबर की दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल वापस लौट जाएंगे। ममदानी ने गिरफ्तारी की मांग की थीः न्यूयॉर्क के मेयर ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है। आईसीसी ने नवंबर 2024 में वारंट जारी कियाः अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसमें गाजा युद्ध के दौरान मानवीय सहायता रोकने और नागरिकों को निशाना बनाने के आरोप शामिल हैं।

यूक्रेन को 2024 में हुआ 1.2 अरब डॉलर का नुकसान, रक्षा सौदों में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार; कैसे हुआ खेल

कीव/अल्बानी, एजेंसी। रूसी सैनिकों ने 2024 में पूर्वी यूक्रेन में खाइयों पर हमला बोला तो यूक्रेनी तोपखाने के जवानों ने गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन गोले आगे बढ़ने वाली सेना के पास फटने के बजाय, लॉन्च ट्यूब से बाहर गिर गए या हल्की-सी आवाज के साथ जमीन पर जा गिरे, जिससे धूल का गुबार उड़ने लगा।

यह यूक्रेन की रक्षा कंपनियों की गद्दारी का नतीजा था। दरअसल, रक्षा कंपनियां भ्रष्टाचार में शामिल थी और उन्होंने सेना को हजारों खराब मोर्टार गोलों की आपूर्ति की थी। गोपनीय सैन्य ऑडिट रिपोर्ट सामने आने पर पता चला है कि अकेले 2024 में यूक्रेन को धोखाधड़ी और बर्बादी के कारण 1.2

अरब डॉलर का नुकसान हुआ। सैन्य खरीद पर स्टेट ऑडिट सर्विस व रक्षा मंत्रालय की गोपनीय ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के शीर्ष 10 सैन्य ठेकेदारों में से सात ऐसे थे जिन्होंने नए अनुबंध हासिल किए, जबकि उनके खिलाफ धोखाधड़ी के खुले आपराधिक मामले चल रहे थे। भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर कुछ कंपनियों के सीईओ या शीर्ष अधिकारियों की गिरफ्तारी के बावजूद इन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने या इनसे दूरी बनाने के बजाय सरकारी एजेंसियां आंख मूंदकर इन्हें उपकृत करती रहीं।

भ्रष्टाचार के मामले में जमानत, फिर भी सौदा : सरकारी स्वामित्व वाले एक यूक्रेनी कारखाने ने सेना को 233,000 दोषपूर्ण मोर्टार सौंपे। कारखाने के निदेशक लियोनिद शाइमैन को युद्ध के दौरान रक्षा उद्योग में सबसे बड़े घोटालों में से एक में गिरफ्तार किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि जब शाइमैन को लगभग 28 करोड़ डॉलर का पहला मोर्टार अनुबंध दिया गया था, तब वह पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर थे।

बिचौलियों का खेल, कम बोली की अनदेखी : जब रक्षा खरीद एजेंसी ने सैकड़ों मिलियन डॉलर के रॉकेट आर्टिलरी खरीदने के लिए बोलियां मंगाई, तो तीन कंपनियों ने जवाब दिया। तुर्की की मूल निर्माता कंपनी आर्का डिफेंस ने सीधे कारखाने से सबसे कम बोली (4,200 डॉलर प्रति रॉकेट) लगाई। अनुबंध सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी चेकोस्लोवाक ग्रुप की सहायक कंपनी को दे दिया गया। रक्षा अनुबंधों ने चेक समूह के 33 वर्षीय मालिक मिचेल स्ट्रनाड को फोर्ब्स की सूची में सबसे अमीर हथियार निर्माता के रूप में स्थापित कर दिया।

ट्रेड वॉर में ट्रंप की नई चालः कनाडा के डेयरी-शराब और बाइक अमेरिका में बैन, अब क्या पलटवार करेंगे कार्नी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह कदम दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच उठाया गया है। यह रोक तीन हफ्ते में लागू होगी। इससे पहले मंगलवार को ही कनाडा ने अमेरिका से होने वाले 20 अरब डॉलर के आयात पर जवाबी टैरिफ लगा दिए थे।

कनाडाई सामानों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखने का फैसला : मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रोडक्ट्स को अमेरिकी सरकार के बड़े और लंबे समय वाले कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखने का फैसला किया। यह कदम कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू करने और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों को तेज करने के वादे के बाद उठाया गया है।

ट्रंप ने त्नऱ्र को दिए निर्देश : ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (त्नऱ्र) को निर्देश दिया है कि वह कनाडा के प्रोडक्ट्स को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए अयोग्य घोषित करे। हालांकि, यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक कनाडा अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए 'पूरी और निष्पक्ष बराबरी' की अनुमति नहीं देता।

'कनाडा को ज्यादा आत्मनिर्भर बनना होगा' : इससे पहले मंगलवार को कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की रणनीति अब ज्यादा स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम

अपनी मर्जी से जी सकें।

यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते मजबूत करने की तैयारी : एक कनाडाई अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन (श्व) के साथ ऐसे रिश्ते बनाने पर विचार कर रहा है, जो पूरी सदस्यता तो न हों, लेकिन उसके काफी करीब हों। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार करना, नई संधि पर बातचीत करना या सहयोग के दूसरे रास्ते तलाशना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और लेबर ग्रुप्स से सलाह-मशविरा कर रहा है कि श्व के साथ किस तरह के गहरे संबंध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी एक मॉडल पर फैसला नहीं हुआ है। कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रासबर्ग जाने वाले हैं। वहां वह 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के 'स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण में शामिल होंगे।

दशकों पुराने करीबी रिश्ते में बढ़ी दरार : अमेरिका और कनाडा के बीच पैदा हुई यह दरार दुनिया के सबसे करीबी रिश्तों में से एक को पूरी तरह बदल रही है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और उनके बीच रक्षा एवं सुरक्षा के भी बेहद करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नॉर्थ अमेरिकन ट्रेड एग्रीमेंट पर दोबारा बातचीत की थी और बाद में उसकी कई बार तारीफ भी की, लेकिन अब उनके प्रशासन ने कनाडाई सामानों पर कई टैरिफ लगा दिए हैं।

यूके छोड़ने पर कानूनी रोक': विजय माल्या बोले- मैं भगोड़ा नहीं; भारत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, क्या है मामला

लंदन, एजेंसी। शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर खुद को 'भगोड़ा' कहे जाने पर सवाल उठाया है। माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मैं भारत लौटने से भाग नहीं रहा हूं। मुझे भगोड़ा कहने वालों को समझना चाहिए कि मैं 1992 से यूके यानी ब्रिटेन का स्थायी निवासी हूं। फिलहाल कानूनी तौर पर देश छोड़ने पर रोक है। भारत सरकार ने मेरे साथ घोर अन्याय किया।

भारत में माल्या को भगोड़ा क्यों कहा जाता है : भारत सरकार के रिकॉर्ड में विजय माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं।

यही वजह है कि भारत में माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, माल्या अब इसी पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ब्रिटेन में उनका रहना किसी तरह भारत से भागने की कोशिश नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी स्थिति का नतीजा है।

भारत सरकार माल्या की वापसी पर क्या कह चुकी है : भारत सरकार का रुख इस मामले में पहले से साफ रहा है। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानून के तहत वांछित लोगों को देश वापस लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने माना था कि ऐसे मामलों में कई कानूनी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि सरकार इस मामले में कई देशों के साथ बातचीत कर रही है और प्रक्रिया जारी है। उनका कहना था कि सरकार की कोशिश है कि आर्थिक अपराध के मामलों में वांछित लोग भारत लौटें और यहां की अदालतों में मुकदमे का सामना करें। माल्या ने 14,131 करोड़ रुपये की वसूली का दावा क्यों किया विजय माल्या ने मंगलवार को एक और पोस्ट किया

था। इसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल एक कथित हलफनामे का हवाला दिया। माल्या का दावा है कि इस हलफनामे के एक हिस्से में 2021 में उनसे 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का जिक्र है। माल्या ने सवाल उठाया कि अगर उनसे इतनी बड़ी रकम वसूल की जा चुकी है, तो उन्हें अब भी बैंक धोखाधड़ी के आरोपी के तौर पर क्यों पेश किया जाता है। उन्होंने एक स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट की तालिका भी साझा की। इसके जरिए उन्होंने कहा कि अब सवाल यह होना चाहिए कि उन्हें उनकी रकम वापस कब मिलेगी। विजय माल्या ने यह भी दावा किया कि ईडी ने उनके अटैच फंड से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम किंगफिशर कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए जारी की थी। उनका कहना है कि उनकी संपत्तियां और फंड अटैच होने के कारण वह खुद कर्मचारियों का भुगतान नहीं कर सके।

माल्या के मामले में अदालत का रुख क्या : विजय माल्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट भी सख्त रुख अपना चुका है। फरवरी 2026 में अदालत ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालती कार्यवाही से बच रहे हैं। अदालत ने कहा था कि ऐसी स्थिति में वह समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। उच्च अदालत ने माल्या को यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका भी दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं। माल्या की याचिका भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में है कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है।

माल्या ने ईडी के कथित हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

जानकारी

घर पर करें 30 सेकंड में ये 3 टेस्ट, आपको पता चल जाएगा स्वस्थ हैं या बीमार

हम किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। अधिकतर लोग या कहें हम लोग जब तक बीमार नहीं पड़ते, तब तक किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य जांच नहीं कराते। दरअसल जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है ठीक वैसे हमारी इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और हम मौसम बदलने पर बीमार होने लगते हैं। बीमार होने के बाद हम मंहगे-मंहगे टेस्ट कराते हैं तब जाकर बीमारी का पता लगा पाते हैं। डॉक्टर हर दो साल में लोगों को फिजिकल चेकअप कराने की सलाह देते हैं, लेकिन हम सलाह कम मानते हैं और देते ज्यादा हैं। ऐसा करने वाले लोग वर्षों तक अपना मेडिकल टेस्ट नहीं कराते और उनका शरीर रोगों का घर बन जाता है।

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। इन टेस्ट को करने में सिर्फ आपको 30 सेकंड ही लगेंगे, लेकिन ध्यान रखें कि सटीक रिपोर्ट के लिए आप मेडिकल जांच ही कराएं।

हाथों की उंगलियों से जानें स्वास्थ्य

नाखून की जड़ को दबाएं: इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप अपने दाहिने अंगूठे और तर्जनी उंगली से अपने किसी भी नाखून की जड़ को दबाएं। ऐसा करते वक्त आप अपने बाएं हाथ की उंगलियों के ऊपरी हिस्से पर दबाव डालें। ऐसा अपने बाए हाथ के अंगूठे से शुरू करें। अंगूठे को 3 से 5 सेकंड तक पकड़कर रखें। अंगूठे के बाद सभी उंगलियों के साथ इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस प्रक्रिया को होने के बाद हाथ को देखें। अगर दबाव के बाद आपकी उंगली का ऊपरी हिस्सा दो सेकंड में सफेद से लाल नहीं हुआ तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में रक्त प्रवाह पर्याप्त नहीं हो रहा है।

उंगली के हिसाब से जानें समस्या

अंगूठा: अगर आपको अंगूठे का नाखून दबाने से दर्द हो रहा है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको फेफड़ों की समस्या हो सकती है।

तर्जनी: तर्जनी उंगली आपकी बड़ी आंत से जुड़ी होती है। अगर आपको इस उंगली को दबाने से दर्द होता है तो यह बड़ी आंत में दिक्कत की ओर संकेत करता है। इसके कारण आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है।

बीच वाली उंगली और अनामिका: बीच वाली उंगली और अनामिका में दर्द हृदय संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है।

छोटी उंगली: आपके हाथ की सबसे छोटी उंगली में दर्द आपकी छोटी आंत की परेशानी की ओर संकेत करता है।

मुट्ठी बनाकर देखें नसें स्वस्थ हैं या नहीं

इस दूसरे टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप मुट्ठी बना लें। मुट्ठी को 30 सेकंड के बाद खोलें। हाथ खोलने पर आपको आपकी मुट्ठी सफेद दिखाई देगी। हाथ खोलने के तुरंत बाद अगर आपके हाथ का रंग सफेद से लाल होना शुरू हो जाए तो इसका मतलब ये है कि आपकी रक्त वाहिकाएं सही काम कर रही हैं और आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं, लेकिन अगर ऐसा होने में वक्त लग रहा है तो आपकी धमनियों में कुछ परेशानी है। दरअसल मुट्ठी बनाने से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है और रक्त प्रवाह रुक जाता है और जैसी ही आप हाथ खोलते हैं तो आपका रक्त प्रवाह फिर लौटना शुरू हो जाता है।

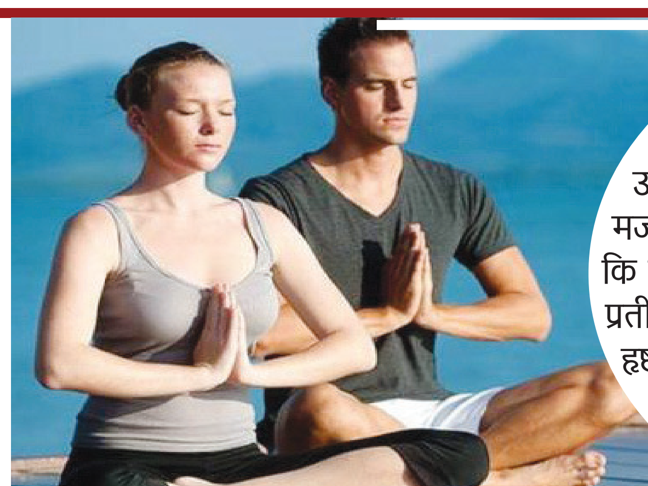

अगर हम किसी फुटबॉल खिलाड़ी या किसी भी खिलाड़ी को देखते हैं, तो उसकी हृष्ट-पुष्ट जांघ उसके शरीर की मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। यह सच है कि मजबूत जांघ, मजबूत और स्वस्थ शरीर का प्रतीक होती है। हम भी योगासनों से जांघों को हृष्ट-पुष्ट बना सकते हैं, किंतु यह प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में होना चाहिए। आइए जानते हैं पांच योगासनों के बारे में जो जांघ मजबूत करते हैं-

जांघ मजबूत करने के लिए उपयोगी हैं ये आसन

एक बहुत आसान पोज, जो आपकी कमर को राहत देकर आपके कूल्हों और पैरों को वर्कआउट के लिए वार्मअप करता है। इसे ऐसे करें-

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं।
- प्रत्येक पैर को जांघ के बाहर की ओर से पकड़ें।
- पैरों को बीच में पकड़ें, जहां आर्क है, ज्यादातर लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।
- अपने चेहरे की मांसपेशियों को ढीला छोड़ें और लंबी सांस लेकर इस पोज में एक मिनट तक रहें।

सुप्त बद्ध कोणासन

यह कूल्हों को गतिशील करने के लिए अच्छा पोज है। इस पोज से भी जांघ की अंदरुनी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। एक सावधानी बरतें कि लंबी सांस पर ध्यान केंद्रित करें और आप पाएंगे कि आप पैर ज्यादा खोल पाते हैं और ज्यादा देर तक उस पोज में भी रह सकते हैं।

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। अपनी बांहों को बगल में शरीर से 45 डिग्री के कोण पर रखें।
- पैरों को घुटने के पास मोड़ें और पैर के तलुओं को नमस्ते के अंदाज में जोड़ने की कोशिश करें।
- अपनी एड़ियों को ग्रोइन के ज्यादा से ज्यादा पास लाने की कोशिश करें, इस दौरान चेहरे या शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए।
- ध्यान रखें आपका सिर सीधा होना चाहिए। आंखों को बंद रखें, यह आपको सुस्ताने में मदद करेगा।
- इस पोज में एक मिनट तक रहें और लंबी गहरी सांसें लेना न भूलें।

उपविष्ठ कोणासन

बैठने वाली पोजिशन पैर की कुछ मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह खड़े होकर की जाने वाली पोजिशन के लिए भी अच्छी शुरुआत की तरह होती हैं, जिसमें मजबूती, लचीलेपन और संतुलन की दरकार होती है।

- चटाई पर बैठकर पैरों को तीन से चार फीट चौड़ाई तक फैला लें।
- अब अपने हाथों को चटाई पर रखें। अपने हाथों से जितना हो सके आगे जाएं।
- अपने सिर, गर्दन को पीठ की सीध में रखें।
- इस पोज में लंबी सांस लें। आराम से धीरे-धीरे हर सांस के साथ जमीन की ओर झुकते रहें।
- इस पोज में जितनी देर आराम से रह सके रहें, लेकिन एक मिनट से ज्यादा नहीं।
- पोज से बाहर निकलने के लिए हाथों को धीरे-धीरे वापस लाएं।

परिघासन

- आपकी कमर को बेहतरीन खिंचाव देने के अलावा यह पोज जांघों और ग्रोइन की मांसपेशियों को खोलकर उनका लचीलापन बढ़ाती है।
- चटाई पर घुटनों के बल बैठिए। अपनी एड़ियों को साथ रखें। पैरों की अंगुलियां जमीन पर और पीठ सीधी।
- दाएं पैर को अपनी दाईं ओर जितना हो सके स्ट्रेच करें। घुटना छत की ओर होना चाहिए।
- दाएं पैर के तलुए को जमीन पर रखें।
- अब अपनी दोनों बांहों को सिर के ऊपर उठाएं और सीधा रखें।
- धड़ और दाईं बांह को लंबे किए हुए दाएं पैर की तरह झुकाएं।
- दाएं हाथ को दाएं पैर पर रखें। (संभव हो तो दाईं कलाई को दाईं एड़ी पर रखें)
- अपनी हथेली का मुंह छत की तरफ करें।
- अब अपनी बाईं बांह को सिर के ऊपर से दाईं ओर लाएं, जो लोग लंबी अवधि से योगा करते आ रहे हों, वह अपनी बांईं हथेली को दाईं हथेली पर रखने की कोशिश कर सकते हैं। इस पोज में आपका बायां कान आपकी बाईं बांह के ऊपरी हिस्से को छूना चाहिए और दायां कान दाईं बांह के ऊपरी हिस्से को।
- इस पोज में कुछ सांसों तक बने रहिए। (तकरीबन 45 सेकंड तक) उसके बाद शुरुआती पोज में आ जाइए।
- आराम कीजिए और समूची प्रक्रिया को बाईं ओर से दोहराइए।

उत्थित त्रिकोणासन

- अंत में एक खड़े होकर किया जाने वाला आसन जो पैर की छोटी मांसपेशियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यह शरीर के संतुलन को भी सुधारता है।
- चटाई पर पैर चौड़े करके खड़े हो जाएं।
- दाएं पैर को दाईं तरफ की दीवार की तरफ मोड़ें।
- संतुलन के लिए बाएं पैर को थोड़ा सा दाईं तरफ मोड़ें।
- बांहों को उठाएं। कंधे की ऊंचाई पर लाएं, जब तक कि वह जमीन के समानांतर न हो जाए।
- कमर से दाईं ओर झुकें और दाईं हथेली को पैर पर या जमीन पर (जो भी सुविधाजनक हो) रख दें।
- बाईं बांह को सिर के ऊपर उठाकर सिर को धीरे से बाएं हाथ की ओर मोड़ें।
- इस पोज में 30 से 45 सैकंड तक रहें।
- पैरों को वापस लाते हुए शुरुआती स्थिति में आ जाएं।
- अब इसे दूसरी ओर दोहराएं।
- हर बार सारे आसनों की समाप्ति के बाद पांच मिनट के लिए शवासन करना चाहिए। पीठ के बल लेट जाइए, आंखें बंद कीजिए, शरीर को ढीला छोड़ दें। सिर सीधा रखें। हर मांसपेशी से तनाव को मुक्त कर दें। पैर से लेकर बांह, कंधे, गर्दन और सिर तक। आंखों को बंद रखें। अब करवट लेकर उठकर बैठ जाएं। हथेलियों को रगड़कर गर्म करें। फिर उन्हें आंखों पर रख दें। हथेलियों को हटाए बगैर आंखों को धीरे-धीरे खोलें। हाथ नीचे करें और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें।

सेहत

ज्यादा नमक खाने से पड़ता है दिमाग पर बुरा असर

याददाश्त ही नहीं बुद्धि भी होती है कमजोर

क्या आप जानते हैं कि अधिक नमक का सेवन करने से दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो जाता है? हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक युक्त आहार का सेवन करने से बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने से याददाश्त कमजोर होती है और बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है।

डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है नमक

न्यूयॉर्क स्थित फिल फैमिली ब्रेन एंड माइंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डॉक्टर गिउसेप्पे फरको इस शोध के प्रमुख शोधकर्ता हैं। इस शोध को जर्नल नेचर न्यूरोसाइंस ट्रस्टेड सोर्सेज में प्रकाशित किया गया है। डॉक्टर फरको ने कहा कि ज्यादा नमक के सेवन और खराब दिमाग की कार्यक्षमता के बीच हमेशा से ही संबंध रहा है और ज्यादा नमक का सेवन करना डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है।

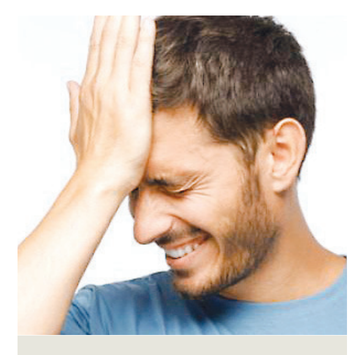

अल्जाइमर का कारण होता है टाउ प्रोटीन

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने व्यवहारात्मक, सेरिब्रोवस्कुलर और मोलिक्युलर स्तर पर परीक्षण किया। इसमें पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा ब? गई थी। टाउ का अधिक स्तर अल्जाइमर का कारण माना जाता है।

चूहों पर किया गया अध्ययन

पूर्व में शोधों में शोधकर्ताओं को पता चला कि ज्यादा नमक के सेवन से चूहों में डिमेंशिया के लक्षण दिखने लगे। नमक ऐसे अणुओं का तेजी से उत्पादन करता है, जिससे शरीर में सूजन आती है। इंटरल्यूकिन-17 अणु दिमाग की कोशिकाएं नाइट्रिक ऑक्साइड बनाना कम कर देती हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है और रक्त के प्रवाह में मदद करता है। हालांकि, नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी से रक्त का प्रवाह कम हो सकता है।

चूहों पर किए गए अध्ययन में देखा गया कि ज्यादा नमक वाले आहार का सेवन करने से उनमें आईएल-17 का स्तर बढ़ गया और नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो गया, जिससे दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो गया।

सोडियम की ज्यादा मात्रा नुकसानदायक

शोधकर्ता फरको और उनकी टीम का मानना था कि सोडियम की ज्यादा मात्रा दिमाग में हो रहे रक्त प्रवाह को बाधित कर डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाती है, लेकिन, शोध के बाद पता चला कि रक्त के प्रवाह की कमी नहीं, बल्कि टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने के कारण याददाश्त में कमी आती है।

शोधकर्ताओं ने आठ हफ्ते के चूहों में से कुछ को सामान्य आहार दिया और कुछ को ज्यादा सोडियम वाला आहार दिया। चार से 36 हफ्तों तक चूहों को आहार दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों के परीक्षण में पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी, जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ गई थी। 04 से 36 हफ्तों तक चूहों को सामान्य और सोडियम वाला आहार दिया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2583

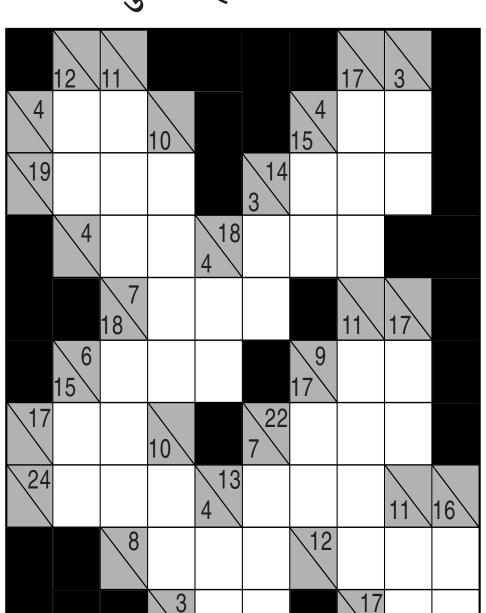

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

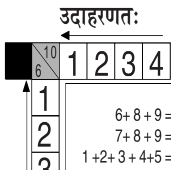

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2582 का हल

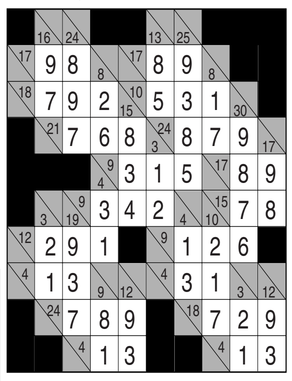

लॉफिंग ज़ोन

एक अत्यन्त सुनसान स्थान पर एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को कार में घुमा रहा था. सहसा प्रेमी ने बताया-'लगता है कार में पेट्रोल समाप्त हो गया है.'

प्रेमिका-'फिक्र की कोई बात नहीं ! फिलहाल मेरे पास एक बोतल है !'

'वाह, क्या बात है ? स्कॉच है या व्हिस्की ?'प्रेमी ने प्रसन्नता से उछलते हुए पूछा.

'इन दोनों में से कुछ नहीं है.'

'फिर ?'

'प्रेट्रोल है !' प्रेमिका ने सादगी से जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

रवि ने राजेश से पूछा- यार, लोग तुम्हें ईश्वर कैसे मान बैठे हैं? राजेश बोला- आज जब मैं पार्क से गुजरा तो सभी मुझे देखकर एक साथ बोले- हे ईश्वर ! तू आज फिर आ गया.

☺ ☺ ☺

सुरेश ने नरेश से पूछा-'यार, तुम उस लड़की को देखने गये थे, क्या हुआ ?'

नरेश -'वह मेरी समझ में नहीं आई !'

सुरेश-'क्यों ?'

नरेश-'उस लड़की ने बहुत से मैडल, कप और शील्डें जीत रखी हैं.'

सुरेश-'यह तो बहुत अच्छा है ?'

नरेश-'अच्छा तो है. मगर ये सारे पुरस्कार उसे जूडो, कराटे की प्रतियोगिता में जीतने पर मिले हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2583

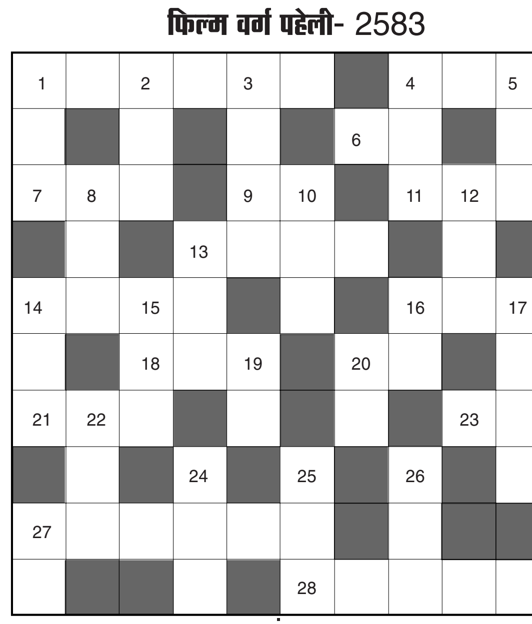

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म- २,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 2582

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

सूडोकु -2583

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2582 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 2583

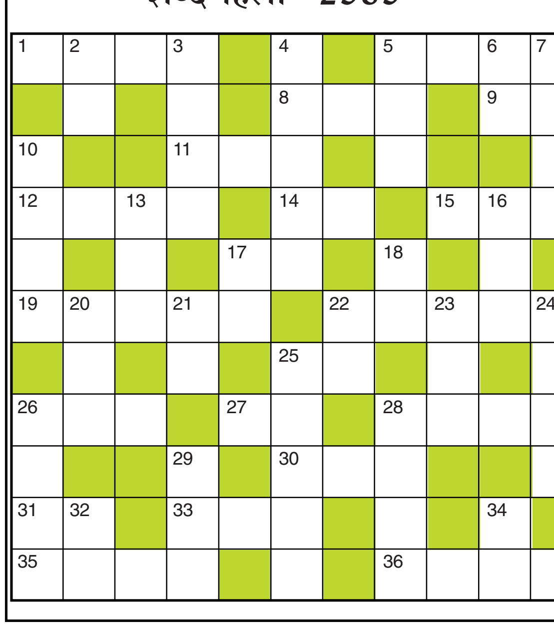

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -2582 का हल

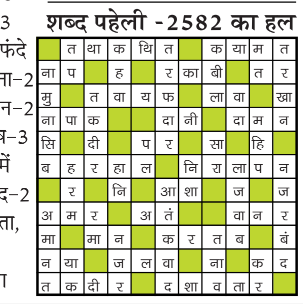

बरेली में टंकी गिरने का प्रमुख कारण नदी का तेज कटान, निर्माण में नहीं हुई कोई लापरवाही

एजेंसी

लखनऊ/बरेली। शेरगढ़ विकासखंड के ग्राम बैरमनगर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक गिरने की घटना के पीछे जल निगम (ग्रामीण) की रिपोर्ट में निर्माण गुणवत्ता की कमी नहीं, बल्कि अत्यधिक जलप्रवाह और किच्छा नदी के तेज कटान को प्रमुख कारण बताया गया है। विभाग की गहन रिपोर्ट के मुताबिक निर्माण के समय टैंक स्थल नदी से करीब 150 मीटर दूर था। साथ ही यह फ्लड जोन में भी शामिल नहीं था। मिट्टी का परीक्षण कराकर स्वीकृत ड्राइंग-डिजाइन एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण कराया जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले सप्ताह अत्यधिक बारिश और संभवतः गौला बैराज से अधिक पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलप्रवाह अचानक बढ़ा। इसके चलते नदी की धारा बदली और महज 3-4 दिनों में तेजी से कटान करते हुए पानी टैंक परिसर के किनारे तक पहुंच गया। जल निगम ने सुरक्षा के लिए सैंड बैग और पिचिंग की व्यवस्था की, लेकिन पानी का बहाव अधिक और गहरा होने के कारण कटान रोकने की स्थायी व्यवस्था तत्काल संभव नहीं हो सकी।

मप्र के मनोनीत मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अल्पेश कोगजे पहुंचे भोपाल, राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मनोनीत मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे भोपाल पहुंचे। उन्होंने यहां लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की। राज्यपाल पटेल का उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति कोगजे की पत्नी अर्चना अल्पेश कोगजे उनके साथ थीं। इससे पूर्व लोकभवन आगमन पर मनोनीत मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे का अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे मध्य प्रदेश के 30वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। वह गुरुवार, 10 सितंबर को आधिकारिक तौर पर अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विवेक रूसिया का स्थान लेंगे। डिजिटलकैलेंडर चुनें न्यायमूर्ति कोगजे मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले वे गुजरात उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना भारत को बड़ा बनाने के लिए हुई है : रामलाल

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने कहा कि संघ की स्थापना देश और समाज के लिए अच्छा करने तथा भारत को बड़ा बनाने के उद्देश्य से हुई है। संघ ने अपनी 100 वर्ष की यात्रा में अनेक पाबंदियों, विरोध और झंझावातों का सामना किया, लेकिन कभी विचलित नहीं हुआ। संघ सकारात्मक सोच के साथ निरंतर राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटा है। सरस्वती शिशु मंदिर, पक्कीबाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर गोरखपुर महानगर की ओर से आयोजित 'युवा उद्यमी संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल, विभाग कार्यवाह संजय और कार्यक्रम अध्यक्ष समीक्षक रामानी ने दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। युवा उद्यमियों को संबोधित करते हुए रामलाल ने कहा कि संघ ने स्थापना काल से ही उपहास और उपेक्षा का सामना किया है। यही कारण है कि संघ विरोध और उपेक्षा से घबराने के बजाय अपने उद्देश्य के प्रति और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ता है।

छत्तीसगढ़ में एक भी विकासखंड भूजल दोहन की 'क्रिटिकल' श्रेणी में नहीं

रायपुर। जल संरक्षण और भूजल प्रबंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में अब एक भी विकासखंड भूजल दोहन की 'क्रिटिकल' श्रेणी में नहीं है। भूजल संसाधन आकलन-2026 में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। वर्ष 2020 में प्रदेश के 9 विकासखंड क्रिटिकल श्रेणी में थे और वर्ष 2025 तक भी 5 विकासखंड इस श्रेणी में बने हुए थे। वर्ष 2026 के आकलन में ये सभी पांच विकासखंड क्रिटिकल श्रेणी से बाहर आ गए हैं। शासन के अनुसार इस आकलन चक्र में प्रदेश के 12 विकासखंडों की भूजल श्रेणी में सुधार दर्ज किया गया है, जबकि एक भी विकासखंड की स्थिति नहीं बिगड़ी है। विकासखंडवार भूजल आकलन प्रारंभ होने के बाद यह छत्तीसगढ़ का अब तक का सबसे बड़ा एक-चक्रीय सुधार है।

मां अन्नपूर्णा की धरती काशी से 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ

पोषण मेले में दिखी देश के विभिन्न राज्यों की आहार विविधता, एक-दूसरे की योजनाओं और प्रयोगों को जानने का मिला अवसर

एजेंसी

वाराणसी। मां अन्नपूर्णा की धरती काशी से 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पोषण मेले में देश के विभिन्न राज्यों की पोषण परंपराओं और आहार विविधता की झलक देखने को मिली। अलग-अलग राज्यों के पोषण आहार का रंग-रूप और बनाने का तरीका भले ही अलग रहा, लेकिन सभी में पोषण के तत्वों को प्राथमिकता दी गई। पोषण मेले में कुल 15 पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी स्टॉल लगाए गए। इनमें सात राज्यों के स्टॉल के साथ आंगनवाड़ी सेवाओं से जुड़े स्टॉल भी शामिल रहे। अनुपूरक पुष्टाहार, ईसीसीई, सक्षम आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया गया। मेले में उत्तर

प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, मिजोरम और बिहार के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों की योजनाओं, पोषण आहार और नवाचारों की जानकारी साझा की।मिजोरम से आए जोयला ने बताया कि मेले में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों को उनके यहां तैयार किए जाने वाले पोषण आहार और उसे बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों के स्टॉल पर जाकर भी कई नई जानकारियां मिलीं। वहीं, उनके स्टॉल पर पहुंचे लोगों ने भी मिजोरम के पोषण संबंधी प्रयोगों और व्यंजनों के बारे में जानकारी ली। राजस्थान से आई एकीकृत बाल विकास सेवा की उपनिदेशक डॉ. मंजू यादव ने अपने प्रदेश की योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में संचालित पोषण और बाल विकास से जुड़ी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं काफी जागरूक हैं और पोषण आहार प्लांट का संचालन भी कर रही हैं। विश्वविद्यालयों के होम साइंस विभागों की ओर से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अक्षय पात्र के माध्यम से स्कूली बच्चों को गर्म और पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

विशेष शिक्षकों के लिए स्पेशल टीईटी का रास्ता साफ, 3 नवंबर को होगी परीक्षा

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार विशेष शिक्षकों समेत कार्यरत शिक्षकों के लिए निर्धारित अध्यापक पात्रता संबंधी प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए उन्हें पात्रता पूरी करने का अवसर उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पार्थ सारथी सेन शर्मा ने विशेष अध्यापक पात्रता परीक्षा (स्पेशल टीईटी) के आयोजन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा स्पेशल टीईटी का विज्ञापन प्रकाशित कर दिया गया है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों और विशेष शिक्षकों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए आयोजित होने वाली यह परीक्षा 3 नवंबर 2026 को होगी। ऑनलाइन पंजीकरण/ओटीआर एवं आवेदन प्रक्रिया 5 सितंबर से शुरू हो चुकी है। पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी पत्र के अनुसार प्राथमिक स्तर पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालय, स्थानीय निकाय तथा राज्य सरकार/बेसिक शिक्षा परिषद से मान्यता या सम्बद्धता प्राप्त विद्यालय, राज्य सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालय और विशेष एजुकेटर्स प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षक पात्र होंगे। उच्च प्राथमिक स्तर पर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों, स्थानीय निकाय एवं मान्यता/सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों, राज्य सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालयों तथा विशेष एजुकेटर्स उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के शिक्षक स्पेशल टीईटी में शामिल हो सकेंगे। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार स्पेशल टीईटी के विज्ञापन प्रकाशन की तिथि 3 सितंबर 2026 है। ऑनलाइन पंजीकरण/ओटीआर एवं आवेदन 5 सितंबर से शुरू हो चुका है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू की डॉ. जितेन्द्र सिंह से मुलाकात

लैवेंडर खेती एवं एस्ट्रो-टूरिज्म पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। बैठक में हिमाचल प्रदेश में मौसम पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत बनाने, लैवेंडर खेती के विस्तार, ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान, स्पीति में हाई-एल्टीट्यूड स्काई ऑब्जर्वेटरी तथा राज्य कैडर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश के लिए पांच डॉप्लर वेदर रडार उपलब्ध कराने के निर्णय की सराहना की और इसके लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य की मौसम निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि

पहाड़ी और प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील हिमाचल प्रदेश में प्रभावी अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करना बेहद जरूरी है। इसके लिए मौसम अवलोकन नेटवर्क के विस्तार पर भी चर्चा की गई। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में कुफरी, जोत और मुरारी देवी में तीन डॉप्लर वेदर रडार हैं, जबकि दो अन्य रडार स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा लाहौल-स्पीति और किन्नौर में भी नए रडार लगाने की योजना पर काम चल रहा है। राज्य में 28 ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन, 64 ऑटोमैटिक रेन गेज और 84 दैनिक वर्षा निगरानी केंद्र पहले से संचालित हैं। प्रस्तावित विस्तार के तहत 20 नए ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन, 24 ऑटोमैटिक रेन गेज, 21 ऑटोमैटिक स्नो गेज और एक रेडियो विंड सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। बैठक में भारतीय मौसम विभाग की 'मौसमग्राम' सेवा की भी समीक्षा की गई, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों सहित आम लोगों तक स्थानीय मौसम संबंधी जानकारी पहुंचाना है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने सीएसआईआर अरोमा मिशन के तहत हिमाचल में लैवेंडर खेती के विस्तार पर भी चर्चा की। मिशन के तीसरे चरण में मंडी जिले की बलद्वाड़ा तहसील के अपर भामला क्षेत्र में 20 हजार लैवेंडर पौधे लगाए गए हैं और लगभग 150 किसानों को इस पहल से जोड़ा गया है।

रेल राज्यमंत्री सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का किया निरीक्षण

रेलकर्मी चौबीसों घंटे काम करते हैं और उनका समर्पण सेना के जवानों की प्रतिबद्धता के समान है।

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का दौरा कर रेलवे परिचालन, सुरक्षा, ट्रेनों के समयपालन और यात्रियों की शिकायतों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर रेलवे परिचालन में सुधार के लिए तकनीक के अधिक इस्तेमाल और कर्मचारियों की कार्यस्थितियों को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की।

सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश आर. त्रिपाठी और उनकी टीम के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने नियंत्रण कार्यालय में सेक्शन कंट्रोलरों के कामकाज के अलावा इंजीनियरिंग, कोचिंग, माल, वाणिज्यिक, सिग्नल एवं दूरसंचार, ट्रैक्शन और सुरक्षा नियंत्रण से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने अत्याधुनिक

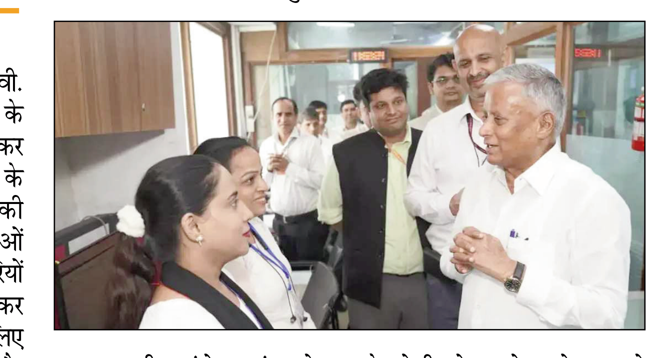

सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) केंद्र और दिल्ली मंडल के 'वार रूम' का भी निरीक्षण किया। रेल मंत्रालय के अनुसार, मंडल का नियंत्रण कार्यालय चौबीसों घंटे ट्रेनों के परिचालन, रखरखाव की योजना, निगरानी और सुरक्षा संबंधी गतिविधियों का केंद्र होता है। दिल्ली मंडल रेलवे के सबसे जटिल प्रशासनिक मंडलों में शामिल है। मंत्री ने रेलवे परिचालन, सुरक्षा निगरानी और रखरखाव में तकनीक के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित प्रणालियों से मानवीय त्रुटियों को कम करने और सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिली है। भविष्य में 'मेक इन इंडिया' सहित अन्य नीतिगत पहलों के माध्यम से इन प्रयासों को और मजबूत किया जाएगा।

अनुराग सिंह ठाकुर सांसद रत्न अवॉर्ड से हुए सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर को एक बार फिर सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता वाली कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति को प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया है। डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित पुरस्कारों के 16वें संस्करण में विशेष रूप से प्रस्तुत मूल रिपोर्टों में सर्वोच्च श्रेणी में मान्यता प्राप्त, यह समिति संसद के दोनों सदनों की उन केवल चार संसदीय समितियों में से एक है जिन्हें इस वर्ष इस प्रमुख राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के दृष्टिकोण से प्रेरित यह पुरस्कार पूरी तरह से नागरिक समाज के दृष्टिकोण से निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संसदीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने जूरी सदस्यों और प्राइम पॉइंट फाउंडेशन के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। अनुराग ठाकुर ने इस पुरस्कार को अपने साथी समिति सदस्यों और समिति सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह

सम्मान उनके सामूहिक तालमेल, कठोर शोध और द्विदलीय विधायी निगरानी को मजबूत करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि अनुराग सिंह ठाकुर के नेतृत्व में, कोयला, खान और इस्पात समिति ने असाधारण उत्पादकता का प्रदर्शन किया है, जिसने जून 2024 से अब तक 64 बैठकें बुलाई हैं और 29 व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं। अनुराग सिंह ठाकुर का समिति नेतृत्व उनके पांच साल के कार्यकाल के दौरान प्रमुख मंत्रालयों की देखरेख करने वाले केंद्रीय मंत्री के रूप में प्राप्त व्यापक प्रशासनिक अनुभव पर आधारित है। कोयला, खान और इस्पात पैनल का नेतृत्व करने के अलावा, उनकी वर्तमान संसदीय जिम्मेदारियों में लोक लेखा समिति और विद्युत मंत्रालय की सलाहकार समिति में सेवा देना शामिल है। साथ ही, वे 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर संयुक्त संसदीय समिति , 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान पर जेपीसी सहित महत्वपूर्ण विधायी निकायों में भी योगदान दे रहे हैं।

कांग्रेस का विभाजनकारी षड्यंत्र बेनकाब करें कार्यकर्ता : नवीन

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 2027 में भाजपा की जीत का दिलाया संकल्प, धामी सरकार के कामकाज की सराहना

एजेंसी

हल्द्वानी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर 'विभाजनकारी राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से विपक्ष की कथित तुष्टीकरण और जातिवाद की राजनीति को जनता के सामने बेनकाब करने का आह्वान किया।

हल्द्वानी में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि उत्तराखंड भाजपा के लिए केवल एक राजनीतिक राज्य नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता की भूमि है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के साथ ही 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में मजबूती से

जुटने का आह्वान किया। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने हल्द्वानी की धरती से 'राजनीतिक षड्यंत्र' के तहत समाज को बांटने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कथित विभाजनकारी राजनीति का राजनीतिक और वैचारिक स्तर पर जवाब दिया जाना चाहिए।नवीन ने कांग्रेस पर दलितों के साथ कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए डॉ.भीमराव आंबेडकर, बाबू जगजीवन राम और सीताराम केसरी का उल्लेख किया। उन्होंने राजस्थान, कर्नाटक और केरल में दलित नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों से जुड़े कथित मामलों का भी जिक्र किया और कांग्रेस पर 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए दलित हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय वाल्मीकि समाज के लोगों को उच्च शिक्षा हासिल करने के बावजूद सफाई कर्मचारी के रूप में काम करने को मजबूर किया जाता था। नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने डॉ. आंबेडकर से जुड़े 'पंचतीर्थ' विकसित कर उनके सम्मान को आगे बढ़ाया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड का निर्माण किया और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य को विकसित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और शहीदों के आश्रितों के लिए विभिन्न योजनाएं लागू करने जैसे कदम भाजपा की विचारधारा के अनुरूप हैं।

मप्र के सागर में जहरीली शराब से अब तक 28 मौतें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- जिम्मेदारों पर हो कठोर कार्रवाई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से अब तक 28 लोगों की मौत होने की बात सामने आई है। हालांकि, प्रशासन ने 15 मौतों की पुष्टि की है, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार शाम को सागर के जिला अस्पताल पहुंचे और भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अवैध शराब से लोगों की हुई मृत्यु के प्रकरण में कठोरतापूर्वर्क कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर के बुन्देलखंड मेडिकल चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन अपराध और असामाजिक गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस

की नीति पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जिले में नशा मुक्ति अभियान भी चलाया जाए, जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। क्षेत्र में अवैध शराब सामग्री को जब्त करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदना भी व्यक्त कीमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले के साथ-साथ आस-पास और सीमावर्ती क्षेत्रों में गहन जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा जहाँ कहीं भी शंका या संदिग्ध गतिविधि की गुंजाइश हो, वहाँ तत्परता से पड़ताल की जाए और सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि पूरी प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना अनिवार्य है। अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि किसी निर्दोष के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने की मंशा से सोशल मीडिया या अन्य विभिन्न माध्यमों पर अनावश्यक अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर पैनी नजर रखने और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नशा विरोधी अभियान को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार को पूरी तरह ध्वस्त किया जाए। साथ ही, नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को साथ लेकर जनजागरूकता और नशा मुक्ति के प्रभावी कार्यक्रम संचालित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार के रहते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय कठोर कानून बनाया गया ।

योगी सरकार का बाढ़ राहत अभियान जारी, 21,333 लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, अब तक जनहानि शून्य

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव अभियान को और तेज कर दिया है। प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री, भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य आवश्यक सहायता पहुंचाई जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक प्रशासन की सक्रियता और लगातार निगरानी के बीच अब तक 21,333 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। वहीं अब तक पशुहानि और जनहानि शून्य दर्ज की गई है।

वर्तमान में 26 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। राहत एवं बचाव अभियान के तहत ही 7,903 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अब तक कुल 21,333 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत दी गई है। जलभराव और दुर्गम क्षेत्रों में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए 2,304 नाव एवं मोटरबोट का इस्तेमाल किया जा चुका है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए व्यापक अभियान जारी है। अब तक 8.58 लाख से अधिक लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। भी 83,545 लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए गए। इसके साथ ही अब तक 1.38 लाख से ज्यादा बाढ़ राहत किट वितरित किए गए हैं। प्रभावित लोगों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में अब तक 1,343 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं। इनमें 7,581 लोग रह रहे हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 1,139 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं।

स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अब तक 7.09 लाख से अधिक क्लोरीन टैबलेट व 2.88 लाख से ज्यादा ओआरएस पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। इससे प्रभावित परिवारों को संक्रमण और जलजनित बीमारियों से बचाने में मदद मिल रही है।

प्रभावित जिले

अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कौशांबी, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, रायबरेली, संत कबीर नगर, रामपुर, सीतापुर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा।

टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हर बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है।

टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रखा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया।

टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।

सार-समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकते हैं वाशिंगटन व रेड्डी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।' उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी संशय बना हुआ है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेगी।

'वह जल्द ही अपनी बेस्ट फॉर्म में लौटेंगे'

इंटर के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद जोस मोरिन्हो ने किया विनीसियस का बचाव

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। चैंपियंस लीग में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हूटिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सैंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सब्स्टीट्यूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, 'वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।'

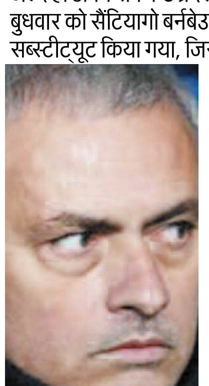

पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूं। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।'

मोरिन्हो ने विनीसियस के प्रदर्शन की आलोचना का बचाव करते हुए इंटर की तकनीकी रणनीति के खिलाफ रियल मैड्रिड के अटैकर्स को हुई मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'अगर वह मेहनत करते हैं, तो उन्हें हमेशा मेरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने टीम के लिए बहुत मेहनत की। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना विंगर्स के लिए बहुत मुश्किल होता है जो पीछे तीन डिफेंडर और विंग-बैक का इस्तेमाल करती है।' रियल मैड्रिड के बॉस का मानना ?

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कपः शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया।

मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

जूनियर एशिया कप हॉकी

अनमोल एक्का के छह गोल की मदद से भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से आसानी से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की तरफ से कप्तान कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल किए। एक्का ने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए। एक्का के गोलों की वजह से हीं भारत ने बिना गोल वाले शुरुआती क्वार्टर को एकतरफा मुकाबले में बदल दिया। इस जीत से भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 पॉइंट्स के साथ पूल ए में टॉप पर पहुंच गया। मैच में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए, लेकिन चीनी ताइपे के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं पाया। आखिरकार 17वें मिनट में

सफलता मिली जब आर्यन जेस ने पहला गोल किया, और एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। 22वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदला। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में एक और गोल किया, और कुछ ही देर बाद एक्का ने फिर गोल किया, जिससे भारत हाफ-टाइम में 6-0 की बढ़त के साथ गया।

तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से भारत के नाम रहा। एक्का ने अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए दो शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले और फिर एक और गोल करके अपनी संख्या चार कर ली। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 45वें मिनट में फिर से गोल करके अपना स्कोर पांच कर दिया और भारत को डबल फिगर में पहुंचा दिया।

आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने 48वें मिनट में गोल किया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने एक और सफल पेनल्टी कॉर्नर के साथ अपना शानदार छह गोल का आंकड़ा पूरा किया। हरपाल ने इसके तुरंत बाद अपना दूसरा गोल किया, जबकि आर्यन जेस ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत को 15-0 से जीत दिलाई।

एशियन गेम्स 2026

जेमिमा की जगह प्रतिका हुई भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में 'सदर्न ब्रेव' के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।'

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक तब बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में 'वन डे कप' में 'वार्विकशायर' के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

उस चोट के कारण प्रतिका महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 2026 एडिशन भी नहीं खेल पाईं। उन्हें पिछले साल नई दिल्ली में हुए प्लेयर ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था। भारतीय टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि रावल मिडिल ऑर्डर में जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी, क्योंकि गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होना है। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी।

एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, एन. श्री चरणी और नंदिनी शर्मा।

वनडे रिकॉर्ड: डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' की बराबरी

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी

बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों

और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गई। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।

फिल्म 'दायरा' नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैं एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा कि मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजुनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

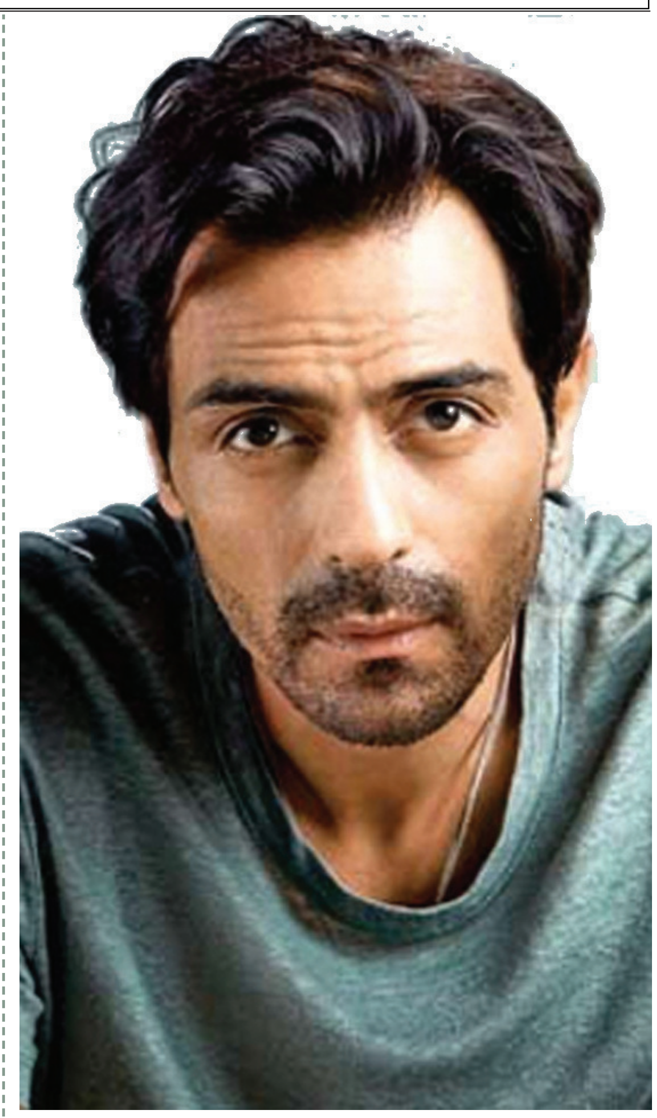

अर्जुन रामपाल ने 'ओ साथी रे' को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे।'

अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा 'अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।'

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ' 'ओ साथी रे' ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटफ्लिक्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम 'ओ साथी रे' की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।'

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीपा धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति'।' इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'राइज एंड फॉल 2' में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यतः बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अतः वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का ख़ास ख़्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ्राइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ्राई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ्रूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फ्रूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे ख़ुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

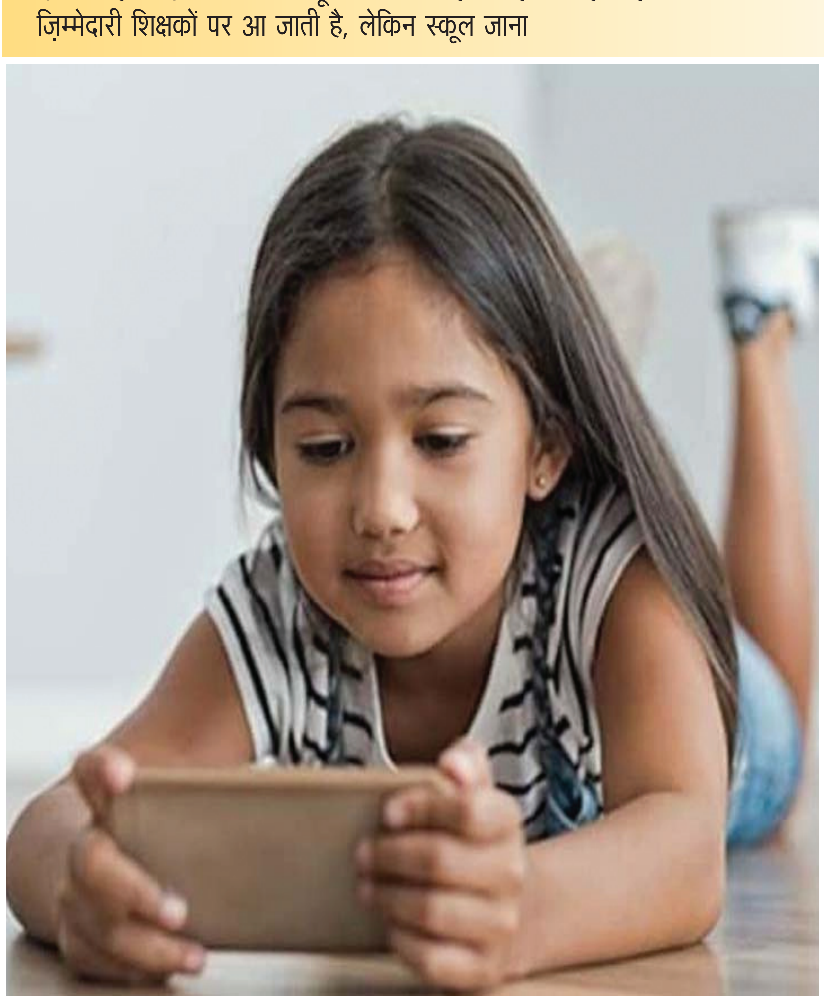

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।